

जोशी को युवा मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में संदीप पाठक को राष्ट्रीय मंत्री बनाया गया है। नई टीम में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इससे पहले राजेश अग्रवाल इस पद पर थे। भाजपा की नई राष्ट्रीय टीम में टीम में 13 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाये गए हैं। इनमें वसुंधरा राजे सिंधिया, तीरथ सिंह रावत, राम माधव, वैजयंत जय पांडा, डी. पुरदेश्वरी, रेखा वर्मा, वर्षाबेन नरेंद्रभाई दोशी, डॉ. भारती प्रवीण पवार, सरदार मनप्रीत सिंह बादल, लाल सिंह आर्य, प्रो. एम. नागराजा, प्रो. तारिक मंसूर और डॉ. मधुचंद्र कर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। पार्टी की जारी सूची में बीएल संतोष को राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) के पद पर बरकरार रखा गया है। वहीं शिवप्रकाश और सौदान सिंह को राष्ट्रीय सह महामंत्री (संगठन) की जिम्मेदारी दी गई है। राष्ट्रीय महामंत्री के रूप में विनोद तावड़े और सुनील बंसल को बरकरार रखा गया है। इनके अलावा स्मृति ईरानी, बिप्लव कुमार देब, सतीश पूनिया, गजेंद्र पटेल, हरीश द्विवेदी, संजय भाटिया राष्ट्रीय महामंत्री बनाए गए हैं। राष्ट्रीय मंत्री के तौर पर कविता पाटीदार, के. सुरेंद्रन, भोला सिंह, डॉ. प्रदीप वर्मा, जगदीश ईश्वरभाई पटेल, डॉ. संदीप पाठक, फांग्लोन कोन्यक, संगीता यादव, अनिल एंटनी, डॉ. एम. वेंकटेशन, मनोज टिग्गा, सिद्धार्थ शंभु, डॉ. स्वदेश सिंह, मुगांका देव बर्मन, रोहन गुप्ता और जय प्रकाश को टीम में शामिल किया गया गया है। तरुण चुघ को राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी, महेंद्र पांडेय को कार्यालय मंत्री, संवित पात्रा को नॉर्थ ईस्ट संयोजक, राजीव बब्बर को

नॉर्थ ईस्ट सह संयोजक, विष्णु दत्त शर्मा को प्रकोष्ठ संकुल संयोजक, रितुराज सिन्हा और विष्णु वर्धन रेड्डी को प्रकोष्ठ संकुल सह संयोजक बनाया गया है। अनिल बलूनी मीडिया संयोजक के रूप में पहले की तरह अपनी जिम्मेदारी संभालते रहेंगे। वहीं आशिष उषा अग्रवाल, प्रदीप भंडारी और सिद्धार्थ यादव को मीडिया सह संयोजक बनाया गया है। दीपक म्हस्के को सोशल मीडिया संयोजक बनाया गया है, वे अमित मालवीय की जगह लेंगे। वहीं प्रीति गांधी, शिवानंद द्विवेदी, आलोक भट्ट और अरुण यादव को सोशल मीडिया सह संयोजक बनाया गया है। हेमांग जोशी को युवा मोर्चा, रूप कुमारी चौधरी को महिला मोर्चा, अमरपाल मोर्य को ओबीसी मोर्चा, बंसीलाल गुर्जर को किसान मोर्चा, शिवेश कुमार राम को एससी मोर्चा, मन्नालाल रावत को एसटी मोर्चा, कुर्वर बासित अली को अल्पसंख्यक मोर्चा की जिम्मेदारी दी गई है। संजय भाटिया और सतीश पूनिया को बड़ी जिम्मेदारी: नितिन नवीन की टीम में हरियाणा से राज्यसभा सदस्य संजय भाटिया को महामंत्री बनाया गया है। भाटिया केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के करीबी माने जाते हैं। इसके साथ ही हरियाणा भाजपा के प्रभारी सतीश पूनिया को भी महामंत्री बनाया गया है। पूनिया राजस्थान भाजपा के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। वे हाल ही में राज्यसभा सदस्य बने थे। हरियाणा से अरूण यादव को सोशल मीडिया सह संयोजक बनाया गया है। चर्चा में रहा अमित मालवीय का हटाय़ा जाना : पिछले कई सालों से भाजपा के आईटी सेल के प्रमुख के तौर >>शेष पेज 7 पर

सावन के तीसरे सोमवार पर दो राज्यों में अलग-अलग हादसे

लखीसराय में भगदड़, बंगाल के होटल में आग 15 श्रद्धालुओं की मौत, 30 से ज्यादा घायल

एजेसी लखीसराय बीरभूम

सावन के तीसरे सोमवार और नागपंचमी के अवसर पर देश के दो अलग-अलग राज्यों में स्थित धार्मिक स्थलों पर बड़े हादसे हो गए। बिहार के लखीसराय और पश्चिम बंगाल के तारापीठ मंदिर के पास एक होटल में भीषण आग लग गई। इन इन दोनों घटनाओं में कुल 15 श्रद्धालुओं की अकाल मृत्यु हो गई, जबकि 30 से अधिक लोग घायल हो गए। बिहार के लखीसराय स्थित ऐतिहासिक अशोक धाम (इंद्र दमनेश्वर महादेव मंदिर) में सावन के तीसरे सोमवार पर बड़ा हादसा हो गया। सुबह करीब 6:45 बजे जलाभिषेक के लिए जुटी श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच बिजली के पोल में करंट फैलने की अफवाह उड़ गई। भगदड़ में दबने से 7 महिला श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 14 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हादसे को अत्यंत पीड़ादायक बताते हुए शोक-संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने >>शेष पेज 7 पर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू व पीएम नरेंद्र मोदी ने हादसे को अत्यंत पीड़ादायक बताते हुए शोक-संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की

बिहार के अशोक धाम में अफवाह से मची भगदड़ में 7 की जान गई

बंगाल के तारापीठ में आग लगने से 8 झुलसकर मरे

महाकाल परिसर में भी करंट की अफवाह से 13 लोग घायल

लखीसराय में घायलों को अस्पताल ले जाते हुए

बंगाल के तारापीठ में शॉर्ट सर्किट की आशंका

होटल में आग लगने से 8 श्रद्धालुओं की मौत, 9 गंभीर

सीढ़ियों की मदद से आग बुझाते दमकलकर्मी

पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में स्थित प्रसिद्ध तारापीठ मंदिर के पास सोमवार तड़के एक बड़ा हादसा हो गया। सावन के सोमवार पर पूजा-अर्चना के लिए आए श्रद्धालुओं से भरे एक होटल की पहली मंजिल पर भीषण आग लग गई। इस हादसे में 8 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 9 लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। शुरुआती जांच के मुताबिक आग एसी की वायरिंग में शॉर्ट सर्किट के कारण लगने की संभावना जताई जा रही है। हादसे के वक्त अधिकतर लोग सो रहे थे। फायर ब्रिगेड और पुलिस ने सीढ़ियों की मदद से 22 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला और 11 घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। होटल संचालकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उन्हें हिरासत में ले लिया गया है।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने किया मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख मुआवजे का ऐलान

पीएम मोदी के 'दिमागी नक्सल' बयान पर नया डिजिटल ट्रेंड

इंस्टा पर बनी 'दिमागी नक्सल पार्टी', रातों-रात जुड़ गए 2.5 लाख फॉलोअर्स

एजेसी नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 15 अगस्त के स्वतंत्रता दिवस भाषण में 'दिमागी नक्सल' शब्द के इस्तेमाल के बाद सोशल मीडिया पर एक नया राजनीतिक और डिजिटल कैपेन छिड़ गया है। 'कांक्रोच जनता पार्टी' (सीजेपी) के बाद >>शेष पेज 7 पर

राम मंदिर दान में हेराफेरी का मामला सुप्रीम कोर्ट सख्त, एसआईटी से 2 हफ्ते में मांगी स्टेटस रिपोर्ट

एजेसी नई दिल्ली

टीम में फॉरेंसिक ऑडिटर शामिल करने का भी सुझाव

सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या स्थित राम मंदिर में मिले दान की कथित हेराफेरी के मामले में सुनवाई करते हुए अदालत द्वारा गठित विशेष जांच टीम (एसआईटी) को अपनी जांच में तेजी लाने और 2 सप्ताह के भीतर सीलबंद लिफाफे में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। चीफ जस्टिस सूर्य कांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने स्पष्ट किया कि रिपोर्ट देखने के बाद अदालत दान प्रबंधन को अधिक व्यवस्थित और >>शेष पेज 7 पर

समझौते की कुल कीमत 1 हजार 943 करोड़ रुपए, पट्टे पर 30 महीने के लिए की गई खरीद

आईओआर में मजबूत होगी समुद्री निगोहबानी, अमेरिका से 2 एमक्यू9बी ड्रोन की खरीद के लिए हुआ करार

हरिभूमि ब्यूरो नई दिल्ली

हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में बढ़ती चीन की चुनौती के बीच जल्द ही भारत की समुद्री सुरक्षा में और अधिक बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। क्योंकि रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को नई दिल्ली में नौसेना के लिए अमेरिका की रक्षा कंपनी जनरल एटॉमिक्स एरोनॉटिकल सिस्टम्स इंक (जीए-एएसआई) के साथ 2 एमक्यू-9बी सी गार्डियन हाई-एल्टीट्यूड लांग एंज्योरेंस (एचएएलई) रिमोटली पायलेटेड एयरक्राफ्ट सिस्टम (आरपीएएस) की खरीद के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

रक्षा विभाग के अपर सचिव एवं महानिदेशक (अधिग्रहण) ए.अंबरासु की मौजूदगी में हुए इस समझौते की कुल कीमत 1 हजार 943 करोड़ रुपए है। इन दोनों ड्रोन की खरीद 30 महीने के लिए पट्टे पर यानी लीज पर की गई है। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान के जरिए यह जानकारी दी है।

2020 से नौसेना का हिस्सा हैं ये ड्रोन

यहां बता दें कि यह पहला मौका नहीं है। जब नौसेना के लिए एमक्यू-9बी ड्रोन की पट्टे पर खरीद की गई है। इससे पहले वर्ष 2020 में जब पूर्वी में भारत और चीन की सेनाओं के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएससी) पर सैन्य विवाद चल रहा है। तब उसी साल नवंबर महीने में अमेरिकी कंपनी से 2 एमक्यू-9बी ड्रोन की खरीद की गई थी। उस वक्त लीज की अवधि एक साल की थी। जिसके बाद हालांकि इसे लगातार आगे बढ़ाया जा रहा है। दोनों में से >>शेष पेज 7 पर

यूं खास है एमक्यू-9बी ड्रोन

एमक्यू9बी एक मानव रहित हवाई वाहन है। जिसे खासतौर पर खुफिया, निगरानी और टोही (आईएसआर) के अलावा सटीक हमलों से जुड़े अभियानों के लिए अमेरिकी कंपनी ने तैयार किया है। यह ड्रोन समुद्र और जमीनी जैसे दोनों इलाकों में लंबी दूरी की हवाई निगरानी करने में बेहद सक्षम है। एक बार अपने किसी तय मिशन के लिए उड़ान भरने के बाद एमक्यू-9बी 40 हजार फीट से अधिक की ऊंचाई पर 40 घंटे तक हवा में रह सकता है। इस दौरान इसकी गति 442 किलोमीटर प्रति घंटा हो सकती है। आमतौर पर इसके दो वेरिएंट काफ़ी चर्चित हैं। जिनमें स्काई-गार्डियन और सी-गार्डियन शामिल हैं। ड्रोन अपने साथ समुद्री निगरानी के वक्त पर हेलफायर जैसी बेहद मारक मिसाइल और लोन्च गाइडेड बम जैसी 2 हजार किलोग्राम से अधिक वजनी युद्धक सामग्री लेकर उड़ान भर सकता है। यह ड्रोन सिस्टम आईओआर के विशाल क्षेत्रों में >>शेष पेज 7 पर

खबर संक्षेप

अज्ञात शख्स का खून से लथपथ शव मिला

नई दिल्ली। पश्चिम जिले के नारायणा विहार इलाके में सोमवार सुबह एक अज्ञात शख्स का निर्वस्त्र अवस्था में खून से लथपथ शव बरामद किया गया। मृतक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। गुमशुदा लोगों के रिकॉर्ड भी खंगाले जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया यह मौत हत्या का मामला लगती है। पुलिस के अनुसार सोमवार सुबह करीब सात बजे नारायणा विहार स्थित सी-52 के सामने टी प्वाइंट के नजदीक सर्वोदय कन्या विद्यालय की दीवार के पास एक व्यक्ति का शव पड़े होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, जहां एक अज्ञात शख्स का खून से लथपथ, निर्वस्त्र शव पड़ा मिला। पुलिस ने बताया कि मृतक के सिर से काफी मात्रा में खून बहा था। उसकी उम्र लगभग 30 वर्ष है। जांच के दौरान मृतक की बाईं कलाई पर 'आनंद' और 'रेनु' नाम का टैटू बना हुआ पाया गया। मृतक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत होता है। इस संबंध में आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है और मृतक की पहचान करने तथा उसकी मौत के कारणों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

भारत में रह रहे तीन विदेशी नागरिक एकडे नई दिल्ली।

द्वारका जिले के स्पेशल स्टाफ द्वारा 'ऑपरेशन विस्टा 1.0' के दौरान तीन नाइजीरिया नागरिकों को पकड़ा गया, जो वीजा अवधि समाप्त होने के बाद भी भारत में रह रहे थे। इनमें से एक व्यक्ति आपराधिक मामले में ट्रायल से बच रहा था। तीनों विदेशी नागरिकों को लामपुर डिस्ट्रिशन सेंटर भेजा गया है। पुलिस के अनुसार वीजा अवधि से ज्यादा समय तक रहने वाले दो विदेशी नागरिकों को दिल्ली के लामपुर स्थित डिस्ट्रिशन सेंटर भेजा गया। तीसरे व्यक्ति के खिलाफ न्यायालय द्वारा 23 सितंबर 2026 तक के लिए जमानती वारंट जारी पाया गया। इन्हें उत्तम नगर इलाके से पकड़ा गया। पृछताछ व सत्यापन के बाद तीनों विदेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया और एफआरआरओ के समक्ष पेश किया गया। इसके बाद डिस्ट्रिशन सेंटर भेज दिया गया। एक विदेशी नागरिक अर्मांनी जूनियर, नरेला पुलिस स्टेशन में दर्ज एक आपराधिक मामले में शामिल पाया गया, जिसमें वह ट्रायल से बच रहा था। अन्य दो के नाम नाइजीरिया निवासी जस्टिस और स्टेनली डेवबिड बताये गये हैं।

सफाई कर्मचारी की हत्या के मामले में एक अरेस्ट नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के कल्याणपुरी इलाके में 27 वर्षीय एमसीडी सफाई कर्मचारी की हत्या के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि पुलिस ने अब तक गिरफ्तार आरोपी की पहचान नहीं बताई है। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के कर्मी अनिल रविवार को इलाके में ड्यूटी पर थे, तभी उसकी कथित तौर पर चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने कहा कि हत्या के पीछे का मकसद अब तक पता नहीं चल पाया है। वारदात के सभी संभावित पहलुओं की जांच की जा रही है। घटना का एक कथित सीसीटीवी वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ जिसमें दिख रहा है कि पीले रंग की टीशर्ट पहना एक व्यक्ति अनिल के पास आया और उसके साथ बहस के बाद उसके पेट में चाकू घोंप दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

केजी मार्ग पर निर्माणाधीन हॉस्टल के सिवयोरिटी गार्ड की हादसे में मौत

हरिभूमि न्यूज़►►नई दिल्ली

कस्बुरा गांधी मार्ग (केजी मार्ग) पर निर्माणाधीन हॉस्टल के सिवयोरिटी गार्ड की एक हादसे में मौत हो गई। हर-असल गार्ड स्लाइडिंग गेट गिरने से घायल हो गया था। उसे आरएमएल अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान धर्मापाल (50) के रूप में हुई। वह गांव गवशपुर, जिला हरदोई, उत्तर प्रदेश का रहने वाला था।

पुलिस के अनुसार रविवार को शाम करीब 5 बजकर 8 मिनट पर

पश्चिमी जिले के रघुबीर नगर इलाके की घटना

ई रिक्शा की बैटरी में धमाके के बाद लगी आग, दो की मौत

हरिभूमि न्यूज़►►नई दिल्ली

पश्चिमी जिले के रघुबीर नगर में सोमवार तड़के ई रिक्शा बैटरी में विस्फोट के कारण एक इमारत में आग लग गई। इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई। दोनों रिश्ते में मामा भांजा बताये गये हैं। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिये दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल भिजवाया है।

पुलिस के अनुसार ख्याला थाना इलाके के रघुबीर नगर में गुरुद्वारा रोड स्थित आर 17 ए, नंबर की इमारत में आग लगने की सूचना तड़के पौने पांच बजे मिली। अग एकमा माहमद समद (38) के तौर पर हुई है। दोनों को रघुबीर नगर के गुरु गोबिंद सिंह अस्पताल

'वंदे मातरम्' विवाद

सोनिया व राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत की जांच कर रही दिल्ली पुलिस

हरिभूमि न्यूज़►►नई दिल्ली

15 अगस्त को कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में सोनिया गांधी द्वारा 'वंदे मातरम्' गीत के कथित अपमान संबंधी शिकायत की पुलिस जांच कर रही है। शिकायतकर्ता एक वकील हैं और उसने शिकायत में राहुल गांधी का नाम भी लिखा है। पुलिस के अनुसार एक वकील द्वारा 16 अगस्त को आईपी एस्टेट थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी जिसमें कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की गई थी। शिकायत के अनुसार, स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान जब राष्ट्रीय गीत गाया जा रहा था तो प्रारंभिक भाग गाए जाने के बाद सोनिया गांधी ने कथित तौर पर

भाजपा का प्रतिनिधिमंडल विशेष पुलिस आयुक्त से मिला

- नितिन नवीन के हाथ में उल्टा झंडा दिखाती तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल मामला

हरिभूमि न्यूज़►►नई दिल्ली

कुछ असमाजिक तत्वों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के हाथ में उल्टा राष्ट्रीय ध्वज दिखाती नकली तस्वीर निर्मित कर सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों एक्स, इंस्टाग्राम, फेसबुक, वाट्सएप आदि पर डाल कर देश में विवाद उत्पन्न करने के प्रयास की दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने निंदा की है और दिल्ली पुलिस से भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन को इस नकली तस्वीर का निर्माण कर इसको सोशल मीडिया पर वायरल करने के प्रयास की जांच कर दोषी व्यक्ति अथवा व्यक्तियों पर मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। हर्ष मल्होत्रा के निर्देश पर इस संदर्भ में 'दिल्ली भाजपा का तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल' दिल्ली के विशेष पुलिस आयुक्त देवेश श्रीवास्तव से मिला और उनको एक शिकायत पर सौंप कर नितिन नवीन के हाथ में उल्टा राष्ट्रीय ध्वज दिखा कर सोशल मीडिया पर उस तस्वीर को वायरल करने के मामले की विस्तृत जांच और दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की है। इस प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश के उपाध्यक्ष राजेश भाटिया, मंत्री गौरव खारी एवं लीगल सैल के क-वीनर एडवोकेट नीरज शामिल थे।

अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने कहा है कि राज्य दर राज्य सत्ता खोता हारा हताश विपक्ष लगातार सोशल मीडिया का दुरुपयोग करके देश का वातावरण बिगाड़ने का प्रयास कर रहा है पर भाजपा कार्यकर्ता विपक्ष के कुप्रयासों को कभी सफल नहीं होने देंगे।



पहुंची और आग बुझाने में जुट गई। चार दमकल वाहनों ने करीब पौने घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस का कहना है कि घटना में दो लोगों की मौत हुई

है। इनके नाम बिहार के भागलपुर निवासी मोहम्मद सुफैद (17) और उसके मामा मोहम्मद समद (38) के तौर पर हुई है। दोनों को रघुबीर नगर के गुरु गोबिंद सिंह अस्पताल

किसानों ने कंझावला में शुरू किया बेमियादी धरना, कृषि भूमि के उचित मुआवजे की मांग

हरिभूमि न्यूज़►►नई दिल्ली

दिल्ली देहात के कंझावला में सोमवार से किसान संगठनों ने अपना बेमियादी धरना शुरू कर दिया। कृषि भूमि अधिग्रहण की एवज में उचित मुआवजे की मांग कर रहे किसानों का कहना है कि दिल्ली में सरकार कौड़ियों के भाव जमीन को कब्जाने की कोशिश में है।

यूईआर 2 से कटरा एक्सप्रेस वे को जोड़ने वाली सड़क के निर्माण के लिए प्रशासन की तरफ से कंझावला और आसपास के सात गांवों की कृषि भूमि पर निशानदेही की जा चुकी है। किसान इस कार्यवाही से नाराजुश और आक्रोशित हैं। प्रभावित किसानों का कहना है कि आज के समय में इस क्षेत्र का प्रति एकड़ भाव 20 से 25 करोड़ रुपये है जबकि सरकार 18 साल पुराने सॉकिल रेट से मुआवजा देना चाहती है। किसान इसे पूरी तरह अन्याय और तानाशाही बता रहे हैं।

गत_9 अगस्त को लाडपुर गांव में इस मुदे पर

बुराड़ी रोड की बदहाली से विधायक झा ने झाड़ा पल्ला

हरिभूमि न्यूज़►►नई दिल्ली

बुराड़ी विधानसभा अंतर्गत मुख्य 100 फूटा रोड की बदहाली के चलते लोगों द्वारा रविवार को विरोध प्रदर्शन व चक्का जाम करने के दूसरे दिन सोमवार को आप पार्टी के स्थानीय विधायक संजीव झा ने अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया है। विधायक संजीव झा ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट करते हुए अपनी जिम्मेदारी से साफ इंकार कर दिया है। विधायक ने कहा कि यह लगभग 9 किलोमीटर की रोड है, जिसके लिए करीब 100 करोड़ रुपये का फंड चाहिए जो मैं अपने विधायक फंड से दे ही नहीं सकता।

क्योंकि मेरा एमएलए फंड केवल पांच करोड़ रुपए है। विधायक ने साफ कहा कि सड़क बनवाने की जिम्मेदारी सरकार और पीडब्ल्यूडी विभाग की है। लेकिन यह सही है कि बुराड़ी की 100 फुटा रोड को लेकर जनता बेहद परेशान है, और उनका परेशानी जायज भी है। विधायक ने अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते हुए वर्तमान भाजपा सरकार पर दोष मढ़ते हुए कहा कि सीएम डालने के बाद सड़क निर्माण में देरी हुई , नालों की सफाई और मानसून की तैयारियों में देरी के चलते समस्या और बढ़ी है। विधायक का दावा है कि मैं लगातार पीडब्ल्यूडी , जल बोर्ड के अधिकारियों और सरकार के सामने यह मुद्दा उठा रहा हूं। क्योंकि सड़क बनवाने की जिम्मेदारी सरकार और पीडब्ल्यूडी विभाग की है। सड़क को सुदृढ़ करने का तीन करोड़ को टेंडर हो चुका है, आगे अब बिटुमिनस कार्य का टेंडर भी जल्द होने का आश्वासन मिला है।



- कहा 100 करोड़ देना सरकार की जिम्मेदारी

उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि अगले 2-3 महीनों में सड़क निर्माण का काम पूरा होगा। जो लोग सड़क के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं, मैं उनसे कहना चाहता हूं कि मेरे खिलाफ नहीं लड़ें बल्कि मेरे साथ मिलकर लड़िए। सड़क बनवाने के लिए सरकार पर दबाव बनाए , मैं आपके साथ खड़ा हूं। बुराड़ी की जनता की लड़ाई मेरी लड़ाई है। सड़क पूरी होने तक संघर्ष जारी रहेगा। विधायक ने कहा कि ऐसा नहीं है कि मेरी विधानसभा में ही यह हाल है। मैं सीएम व पीडब्ल्यूडी मंत्री से कहना चाहता हूं कि लोगों के गुस्से का समझिए और समय पर विकास कार्य होने चाहिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगल आलने तीन महीने में बुराड़ी 100 फुटा रोड का कार्य पूरा नहीं हुआ तो पूरी विधानसभा के लोग सीएम व पीडब्ल्यूडी मंत्री के घरों के बाहर प्रदर्शन कर रही होगी।

एक करोड़ की फिरोती के लिये अपहरण का आरोपी 26 साल बाद गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज़►►नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच ने एक करोड़ की फिरोती के लिए अपहरण के मामले में उम्रकैद की सजा पाए भगौड़े अपराधी को देहरादून से गिरफ्तार किया है। 31 साल पुराने इस मामले में आरोपी अमित यादव (57) पिछले 26 सालों से फरार था। 1995 में गिरफ्तारी के समय इसके पास से 10 लाख बरामद किए गए थे। आरोपी की गिरफ्तारी पर वर्ष 2000 में पांच हजार का इनाम भी घोषित किया गया था।

पुलिस के अनुसार यह मामला ऋषि सेठी के 1 करोड़ की फिरोती के लिए अपहरण से जुड़ा है। 12 सितंबर 1995 को शाम करीब 7 बजे ऋषि सेठी एम्स के डायरेक्टर के घर के पास अपनी कार में बैठे थे। तभी तीन चार लोगों ने जबरदस्ती उन पर काबू पाया। उनके साथ मारपीट की और आँखों पर पट्टी बांधकर सेठी को उनकी ही कार में अगवा कर लिया था। इसके बाद उन्हें एक अज्ञात जगह पर ले जाया गया और अवैध रूप से बंधक बनाकर रखा गया। अपहरणकर्ताओं ने पीड़ित के

- मामले में आरोपी को उम्रकैद की सजा हो चुकी थी

परिवार से 1 करोड़ की फिरोती की मांग की। आरोपियों के निर्देशों पर 10 लाख की फिरोती की रकम मेरठ के होटल मयूर के कमरा नंबर 221 में रखी गई थी। 16 सितंबर 1995 को फिरोती की रकम लेने के बाद आरोपी अमित यादव को पुलिस ने मेरठ में पकड़ लिया था। उसके पास से फिरोती की पूरी 10 लाख की रकम बरामद की गई थी। इसके बाद पुलिस अमित यादव के किराए के घर मकान नंबर आर 63, राज कुंज, राज नगर, गाजियाबाद पहुंची, जहां पीड़ित ऋषि सेठी को एक स्टोररूम के अंदर जंजीरों से बांधकर रखा गया था। उन्हें सुरक्षित बचा लिया गया था। आरोपी को इस मामले में शुरू में 17 सितंबर 1995 को गिरफ्तार किया गया था। बाद में 25 अगस्त 1999 के आदेश के तहत उसे दोषी ठहराया गया और 2.50 लाख के जुर्माने के साथ आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। अमित यादव ने दिल्ली हाई कोर्ट में आपराधिक अपील संख्या

पुलिस अफसर के घर चोरी करने वाला कुछ ही घंटों में दबोचा

हरिभूमि न्यूज़►►नई दिल्ली

तुगलक रोड थाना अंतर्गत पौंश काका नगर इलाके में एक डीसीपी रैक के अफसर के आवास पर हुई चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपी को कुछ ही घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी का नाम इमरान उर्फ सावन बताया गया है। इसके पास से चोरी का सारा सामान भी बरामद कर लिया गया है। बरामद सामान में आईफोन समेत दो मोबाइल, हीरे की अंगूठी, नकदी और महत्वपूर्ण दस्तावेज शामिल है। नई दिल्ली जिले के डीसीपी सविन शर्मा ने बताया कि घटना 11 अगस्त को रिपोर्ट हुई थी। शिकायतकर्ता अधिकारी ड्यूटी के लिए सुबह करीब 5.30 बजे अपने आवास से निकले थे। वह सुबह करीब 8 बजे लौट तो घर का सामान बिखरा हुआ था। इसके बाद सूचना तुगलक रोड थाने को दी गई। डीसीपी के मुताबिक चोर रसीद के पास स्थित ऐसे दरवाजे से बाहर निकले थे, जिसमें ताला लगाने की सुविधा नहीं थी। चोरी की कई वस्तुओं में उनकी पत्नी का आईफोन, एक हीरे की अंगूठी, लगभग 10 हजार रुपये नकद, एक पर्स शामिल था जिसमें डेबिट और क्रेडिट कार्ड और कई पहचान दस्तावेज रखे थे। इस संबंध में तुगलक रोड थाने में मामला दर्ज किया गया और जिला अपराध टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का विश्लेषण करने व तत्कनीकी और स्थानीय जांच के बाद 24 घंटे के भीतर चोरी हुए सामान की बरामदगी हो गई और एक आरोपी की गिरफ्तारी हुई।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 CrPC देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त मनोज पुत्र धनेश्वर महतो निवासी डी–16/25, शाहबाद डेयरी, दिल्ली ने FIR No. 28962/2021 U/S 411 IPC , अन्तर्गत थाना शाहबाद डेयरी, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त मनोज मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त मनोज फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आपको छिपा रहा है) । अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि FIR No. 28962/2021 U/S 411 IPC, अन्तर्गत थाना शाहबाद डेयरी, दिल्ली के उक्त अभियुक्त मनोज से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक 18.09.2026 को या इ़सरो पहले हाजिर हो ।
आदेशानुसार सुश्री भारती बैनीवाल न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी– 05, उत्तर न्यायालय कमरा नंबर 114, पहली मंजिल रोहिणी न्यायालय, दिल्ली
DP/11000/ON/2026(Court Matter)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 Cr.PC. देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त, मेहराज उर्फ नेपाली, पुत्र: मोहम्मद सरकाराज, पता: म. नं. 39, एच–2 ब्लॉक, जहांगीर पुरी, दिल्ली, ने FIR No.: 151/25, U/s: 25/54/59 A. Act , थाना: जहाँगीर पुरी, दिल्ली, के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, मेहराज उर्फ नेपाली, मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, मेहराज उर्फ नेपाली, फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है) । इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि FIR No.:151/25, U/s: 25/54/59 A. Act , थाना: जहाँगीर पुरी, दिल्ली, के उक्त अभियुक्त, मेहराज उर्फ नेपाली, से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक 21.09.2026 को या इससे पहले आदेशानुसार हाजिर हो ।
श्री साहिल गुप्ता न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–07 मुचल, कमरा नं. 06, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली
DP/11228/NW/2026 (Court Matter)

हरियाणा सरकार	निविदा सूचना	
क्र.सं.	विभाग का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम
1	लोनिय भ व प करनाल	तरावड़ी जिला करनाल में सीएचसी को 50 बिस्तर वाले हस्पताल में अपग्रेडेशन (एचवीएस की प्रावधान केल)।
2	लोनिय भ व प करनाल	सोनीपत में नागरिक हस्पताल के परिसर में 100 बिस्तर वाली एमसीएच बिल्डिंग का निर्माण (एमजीओ और सम्बद्ध सामग्री कार्य का प्रावधान) ।
3	पंचायती राज अम्बाला	एचजीवीवाई – गांव शहजानपुर ब्लॉक सहजानपुर, जिला अम्बाला में हाईवे से खेड़ा मंदिर की तरफ आईपीबी गली का निर्माण।
4	पंचायती राज रेवाड़ी	गांव बैरली खुर्द ब्लॉक जाटूसाना, जिला रेवाड़ी में ग्राम सचिवालय का निर्माण।
5	वन विभाग हिसार	हिसार वन मण्डल के अधिकार-क्षेत्र के तहत हिसार, हांसी और आदमपुर रेंज में कैम्पा और रटेट स्कीम प्लॉटेशन कार्यो के लिए हिसार वन मण्डल द्वारा प्लोटेड 11 वन ब्लॉक वार निविदा।
6	जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी हिसार	एसटीपी 40 एमएलडी ऋषि नगर, हिसार के कार्य करने और प्रचालन क्षमता को बढ़ाना (जल ही अमृत पहल) + 1 कार्य।
7	सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा सिरसा	मंगला डायरेक्ट माइनर के आरडी 83600 पर डब्ल्यू/सी क्रॉसिंग का पुनर्निर्माण + 1 कार्य।
8	वन विभाग भिवानी	प्लॉट्स कैम्पा स्कीम के बवानी खेड़ा ब्लॉक रखरखाव हेतु निविदा और 16 अन्य कार्य।
अधिक जानकारी हेतु कृपया पथारें www.etenders.hry.nic.in		पीआरडीएच–11/2027/160/48288/1/88/7 दि. 17.08.26



Developing Industry-Ready Talent

A strategic industry-academia partnership between **Galgotias University** and **Accenture LearnVantage**, to create industry-ready tech and management professionals.



Industry Academia Collaboration Framework



Vibrant campus
ecosystem



Industry relevant
curriculum



Futuristic
specializations



Industry
hands-on projects

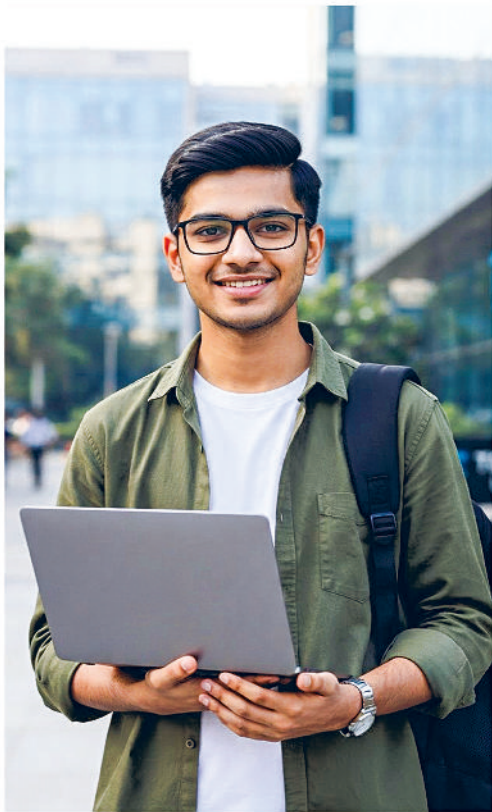


Career readiness
training

LAUNCHING

New-age Industry Integrated Degrees

Develop in-demand **business and technology** skills through industry-integrated learning designed for the **Age of Intelligence**.



B.Tech in Computer Science with AI

Build the technology skills that powers the future

New-age Specializations

- ✔ Cloud and AI
- ✔ Full stack development with AI
- ✔ Data Science, AI and Machine Learning
- ✔ Design Engineering



BBA Integrated with AI

Build business expertise for an AI-powered world

New-age Specializations

- ✔ AI-Integrated General Management
- ✔ AI-Powered Sales and Marketing

Offered in Academic Collaboration with **Accenture LearnVantage**

A step towards building future-ready talent through deep industry and academia collaboration



For Admissions
Scan to Apply



#16 AMONGST TOP PRIVATE
UNIVERSITIES IN INDIA

Ranked **3rd**
amongst Private
Universities in Uttar Pradesh

Ranked **46th**
amongst Top Private and
Government Universities in India

— **GLOBALLY RANKED FOR 3 CONSECUTIVE YEARS** —



Scan to Explore
the World of Galgotias

Galgotias Admissions Helpline No.: **9810162221, 9717300418, 9582847072** **97173 00343** **0120-4370000**
NAAC GRADE A+ | **Web:** www.galgotiasuniversity.edu.in | **Email:** admission@galgotiasuniversity.edu.in



रेखा गुप्ता ने ‘दिल्ली को कूड़े से आजादी-स्वच्छता अभियान 2026’ का किया शुभारंभ

‘बेहतर काम करने वाले वार्डों को दी जाएगी एक करोड़ की प्रोत्साहन राशि’

हरिभूमि न्यूज »» नई दिल्ली

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को दिल्ली नगर निगम मुख्यालय सिविक सेंटर में ‘दिल्ली को कूड़े से आजादी-स्वच्छता अभियान 2026’ का शुभारंभ किया। इस मौके पर सीएम ने कहा कि 2 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान में बेहतर प्रदर्शन करने वाले वार्डों को 1 करोड़ रुपये तक की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। स्वच्छता केवल किसी एक विभाग या एजेंसी की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है।

इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि दिल्ली को कूड़े से आजादी का संकल्प लोगों की सोच और व्यवहार में स्वच्छता को शामिल करने का अभियान है। इस मौके पर सीएम रेखा गुप्ता व केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा के अलावा शहरी विकास मंत्री आशीष सूद, मुख्य सचिवतक एवं विधायक



अभय वर्मा, महापौर प्रवेश वाही, उपमहापौर मोनिका पंत, स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा, सदन के नेता जयभगवान यादव स्थायी समिति उपाध्यक्ष सत्यपाल सिंह व निगमायुक्त संजीव खिरवार सहित अन्य मौजूद थे। दिल्ली को कूड़े से आजादी दिलाने के लिए सरकार का लक्ष्य केवल सफाई

अभियान चलाना नहीं, बल्कि स्वच्छता को नागरिकों के दैनिक व्यवहार और जीवनशैली का हिस्सा बनाना है। इसके लिए सरकारी विभागों, स्थानीय निकायों, बाजार संगठनों, आरडब्ल्यूए, शैक्षणिक संस्थानों, औद्योगिक संगठनों, स्वयंसेवा संस्थाओं और आम नागरिकों को एक साथ जोड़कर इस

अभियान को व्यापक जनभागीदारी का स्वरूप दिया जाएगा। प्रतिदिन बड़ी मात्रा में कूड़ा उत्पन्न होने के बावजूद उसका पर्याप्त प्रसंस्करण न होने के कारण दिल्ली में कूड़े के पहाड़ खड़े हुए। अब इन समस्याओं के समाधान के लिए सरकार पूरी गंभीरता और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ काम कर रही है।

फंड की नहीं आने देंगे कमी : रेखा गुप्ता

सीएम ने निगम को भरोसा देते हुए कहा कि फंड की कमी आड़े नहीं आने देंगे। मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि अगले 12 महीनों तक वार्ड स्तर पर स्वच्छता प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। प्रत्येक महीने जो वार्ड सबसे अधिक स्वच्छ पाया जाएगा, उसे एक करोड़ रुपये का अतिरिक्त फंड दिया जाएगा। यदि कोई वार्ड लगातार अगले महीने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करता है तो उसे फिर से दो करोड़ रुपये तक का अतिरिक्त प्रोत्साहन मिल सकता है और वर्षभर में एक वार्ड को 12 करोड़ रुपये तक का सीएमडीएफ फंड उपलब्ध कराया जा सकता है। सीएम ने उन्होंने स्पष्ट किया कि यह फंड प्रतियोगिता में प्रदर्शन के आधार पर मिलेगा। वार्डों की स्वच्छता का आकलन एक स्वतंत्र एजेंसी की रिपोर्ट, अधिकारियों की रिपोर्ट और नागरिकों, सोशल मीडिया के माध्यम से प्राप्त शिकायतों व निपटान के आधार पर किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि किसी वार्ड में कूड़ा पड़ा होने की शिकायत सामने आती है तो संबंधित वार्ड को प्रतियोगिता से बाहर भी किया जा सकता है। सीएम ने कहा कि कूड़ा प्रबंधन के लिए चार सी यानी कलेक्शन, क्लीनिंग, कम्पोजन और संकुलन इकाईओं पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि जहां कूड़ा पैदा हो, वहीं उसका सेविंगेशन हो, जहां कूड़ा एकत्रित हुआ वहां उसका प्रॉपर कलेक्शन सुनिश्चित हो, कूड़ा प्रसंस्करण केंद्र तक पहुंचने के बाद उसका वैज्ञानिक तरीके से प्रोसेसिंग और डिपोजल हो तथा जहां कहीं गंदगी दिखाई दे, वहां तत्काल एक्शन लिया जाए। कचरे को संसाधन में बदलकर ग्रीन फ्यूल और संकुलन इकाईओंभी को बढ़ावा देने की दिशा में भी काम किया जाएगा। सीएम ने कहा कि 23 और 30 अगस्त तथा 6 और 13 सितंबर को झुगुगी-झोपड़ी समूहों में विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा। प्रत्येक शनिवार और रविवार को सार्वजनिक शौचालयों की सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। वहीं 1 से 10 सितंबर तक पाकों से ग्रीन वेस्ट हटाने का अभियान चलेगा।

खबर संक्षेप

केजरीवाल की राजनीतिक सोच है नक्सल : मल्होत्रा

नई दिल्ली। देश जानता है कि अरविंद केजरीवाल राजनीतिक सोच से कल भी नक्सल थे और आज भी उनका राजनीतिक सोच नक्सल है और भ्रष्टाचार उनके कण कण में समाया है। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने सोमवार को केजरीवाल को लेकर यह आरोप लगाए। उन्होंने कहा है कि देश भूला नहीं है कि अरविंद केजरीवाल ने अपनी सत्ता के पहले वर्ष में ही तत्कालीन राजपथ पर गणतंत्र दिवस व्यवस्थाओं को बाधित करके और कुछ वर्ष बाद उपराज्यपाल निवास में धरना देकर अपनी अराजक नक्सल सोच का परिचय दिया था। हर्ष मल्होत्रा ने कहा है कि आम आदमी पार्टी नेता अरविंद केजरीवाल का खुद को दिमागी नक्सल कहते हुए खुद को देशभक्त एवं व्यवस्था बदलने वाला कहना हास्यास्पद है। उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर केजरीवाल एक राजनीतिक नक्सल प्रवृत्ति के हैं।

वैज्ञानिक सलाहकार

समिति की बैठक आयोजित

नई दिल्ली। कृषि विज्ञान केन्द्र, उजवा, नई दिल्ली की 26वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (भा.कृ.अनु.प.) के दिशा-निर्देशों के अनुसार विभिन्न हितधारकों की सहभागिता में सोमवार को कृषि विज्ञान केन्द्र, उजवा के परिसर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता डॉ. बिजेन्द्र सिंह, अध्यक्ष, राष्ट्रीय बागवानी अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान, जनकपुरी, नई दिल्ली ने की। वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक का उद्देश्य कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा वर्षभर संचालित गतिविधियों की समीक्षा, उपलब्धियों का मूल्यांकन तथा आगामी वर्ष की कार्ययोजना तैयार करना है।

एनडीएमसी करेगी बगीचों का कार्याकल्प, लगेंगे जिम और खेल उपकरण

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी)जल्द ही नई दिल्ली लोकसभा क्षेत्र में रिहायशी इलाकों में स्थित बगीचों का कार्याकल्प करेगी। इन बगीचों में एनडीएमसी 3.91 करोड़ रुपये की लागत से जिम और बच्चों के खेलने वाले यंत्र लगाएगी। इस बात की जानकारी सोमवार का अधिकारियों ने दी है। अधिकारियों के अनुसार सीएमडी फंड स्कीम के तहत लागू की जा रही इस परियोजना का उद्देश्य स्थानीय बगीचों का निवासियों के लिए अधिक उपयोगी और आकर्षक बनाना है। इसके तहत उद्यानों में तंदुरुस्ती और मनोरंजन, दोनों की सुविधाएं विकसित की जाएंगी। अधिकारियों ने बताया कि परियोजना के तहत उद्यानों में नए जिम उपकरण लगाए जाएंगे, ताकि लोग खुले में व्यायाम के लिए प्रोत्साहित हों। बच्चों के खेल क्षेत्रों को भी झूलने, फिसल पट्टी और अन्य खेल उपकरणों के साथ नया रूप दिया जाएगा। इसमें सुरक्षित और बेहतर रखरखाव वाले स्थान उपलब्ध कराने पर विशेष जोर रहेगा। उन्होंने कहा कि इस पहल से रोजाना सैर, व्यायाम और मनोरंजन के लिए उद्यानों का इस्तेमाल करने वाले निवासियों को लाभ मिलेगा। साथ ही बच्चों को घर के नजदीक खेलने के लिए बेहतर स्थान उपलब्ध होंगे। एनडीएमसी ने ई-खरीद के जरिए ठेकेदारों के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। काम शुरू होने के छह महीने के भीतर परियोजना पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है। नागरिक निकाय ने निर्माण और उपकरण लगाने के दौरान स्थानीय लोगों को होने वाली असुविधा को कम करने के लिए पर्यावरणीय सुरक्षा उपायों को भी परियोजना में शामिल किया है। अधिकारियों ने बताया कि ठेकेदारों को केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) के मानकों और राष्ट्रीय हरित व्यापारिकरण (एनजीटी) के दिशा-निर्देशों का पालन करना होगा।

यूजीसी नेट विवाद: एनटीए ऑफिस के बाहर एनएसयूआई ने किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज »» नई दिल्ली

नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) ने सोमवार को यूजीसी-नेट जून 2026 परीक्षा में काथित गड़बड़ियों को लेकर नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के ऑफिस के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और मांग की कि टेस्टिंग एजेंसी को खतम कर दिया जाए।

छात्र संगठन ने बताया कि प्रदर्शन में एनएसयूआई के सैकड़ों सदस्य और यूजीसी-नेट के उम्मीदवार शामिल हुए, जबकि एनटीए ऑफिस के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए एनएसयूआई के



राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने एनटीए चेयरमैन के इस्तीफे की मांग की और कहा कि परीक्षा प्रणाली में बार-बार हुई नाकामियों ने एजेंसी की विश्वसनीयता को कमजोर कर

दिया है। एनटीए की नाकामियों की कीमत छात्रों को नहीं चुकानी पड़ सकती। हम मांग करते हैं कि एनटीए को खतम किया जाए और चेयरमैन को इस्तीफा दे देना चाहिए। जाखड़ ने कहा कि हम यह लड़ाई तब तक जारी रखेंगे जब तक एनटीए पर रोक नहीं लगा जाती और छात्रों को न्याय नहीं मिल जाता। यह प्रदर्शन एनटीए द्वारा अंग्रेजी, कॉमर्स और सोशियोलॉजी विषयों के लिए दोबारा परीक्षा कराने की घोषणा पर हुआ। जाखड़ ने कहा कि पुलिस की कार्रवाई के दौरान एनएसयूआई के कई सदस्य घायल हो गए। उन्होंने कहा कि जब तक जवाबदेही तय नहीं हो जाती उनका आंदोलन जारी रहेगा।

हरिभूमि न्यूज »» नई दिल्ली

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने सोमवार को आरोप लगाया कि भाजपा के इशारे पर चुनाव आयोग के बूथ लेवल अधिकारियों ने झुगुगी झोपड़ी के 50-60 प्रतिशत लोगों को शिफ्ट दिखाकर उनका वोट काट दिया है। वहीं यादव ने अनाधिकृत कालोनियों, गांवों और झुगुगी झोपड़ी कलेक्टरों में एसआईआर के फार्म न बांटने का भी आरोप लगाया है। यादव ने चुनाव से मांग की है कि एसआईआर प्रक्रिया में एडिशन, डिलिशन और ट्रांसफर हुए वोटों की जानकारी उनके पता और फोन नंबर के साथ वोटर लिस्ट आने से पूर्व उजागर करें और हमारे बीएलए-2 को दें। यादव ने कहा कि

बीएमएस ने किया जंतर मंतर पर प्रदर्शन

नई दिल्ली। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) ने सोमवार को जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन करते हुए मजदूर वर्ग की लंबे समय से लंबित पड़ो मांगों को जल्द से जल्द पूरा करने की मांग की है। बीएमसी द्वारा सोमवार को पूरे देश में किए गए प्रदर्शन की कड़ी में दिल्ली मंत्र पर भी प्रदर्शन किया गया। संगठन ने केंद्र सरकार से मांग की है कि मजदूरों, कर्मचारियों, पेंशनगीरों, स्कीम वक्त्रों और असंगठित क्षेत्र के कामगारों के लंबे समय से सभी लंबित मुद्दों को जल्द से जल्द हल किया जाए। वहीं आंटी टैक्सी चालकों ने भी जंतर मंतर पर अपनी मांगों के समर्थन में विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का आयोजन करने वाले दिल्ली आंटी रिक्शा संघ व दिल्ली प्रदेश टैक्सी यूनियन ने प्रदर्शन करते हुए चालकों की आवाज उठाई। इस बारे में संघ के महामंत्री राजेंद्र सोनी ने बताया कि बीएमएस से जुड़े आंटी व टैक्सी चालक लंबे समय से अपनी मांगें पूरी करने के लिए आवाज उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि गत लगभग डेढ़ साल से दिल्ली सरकार द्वारा कल्याण बोर्ड का गठन तक नहीं हुआ। जबकि इसके गठन को लेकर काफी पहले घोषणा की जा चुकी थी। सोनी ने कहा कि चालकों को अपने लंबे छोटे कार्य के लिए भी परिवहन विभाग के चक्कर काटने पड़ते हैं जहां खुलकर भ्रष्टाचार होता है।

नाइजीरियाई प्रतिनिधिमंडल के साथ कपिल मिश्रा की अहम बैठक

कृषि विकास, खाद्य सुरक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों पर हुई चर्चा

हरिभूमि न्यूज »» नई दिल्ली

‘भारत और नाइजीरिया के बीच कृषि और खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग की व्यापक संभावनाएं हैं। दिल्ली सरकार द्वारा किसानों के हित में किए जा रहे कार्यों, कृषि योजनाओं और मंडी व्यवस्था के अनुभवों को साझा करना दोनों देशों के लिए उपयोगी साबित हो सकता है।’ दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति एवं भाषा तथा पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने सोमवार को दिल्ली सचिवालय में नाइजीरिया संघीय गणराज्य के कृषि एवं खाद्य सुरक्षा राज्य मंत्री डॉ. अलीयू साबी अब्दुल्लाह तथा उनके प्रतिनिधिमंडल के साथ मधुलपूर्ण बैठक के बाद यह जानकारी दी। इस अवसर पर कपिल मिश्रा ने नाइजीरियाई मंत्री एवं प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। बैठक में कृषि



विकास, किसानों के कल्याण, खाद्य सुरक्षा और कृषि उपज के बेहतर प्रबंधन से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। वहीं, नाइजीरिया के कृषि एवं खाद्य सुरक्षा राज्य मंत्री ने बैठक और प्रस्तुतियों के लिए दिल्ली सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बैठक में साझा की गई जानकारी को उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया तथा नाइजीरिया में कृषि क्षेत्र के विकास और खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में दिल्ली सरकार के सहयोग के लिए धन्यवाद व्यक्त किया।

दिल्ली में एसआईआर प्रक्रिया हुई समाप्त

हरिभूमि न्यूज »» नई दिल्ली

दिल्ली में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया 17 अगस्त सोमवार को समाप्त हो गई। दिल्ली के मुख्य चुनाव कार्यालय के अनुसार सोमवार रात आठ बजे तक कुल 67.18 प्रतिशत गणना फार्म यानी डिजिटल रिकार्ड के रूप में दर्ज हो चुके हैं। जबकि फार्म जमा करने की प्रक्रिया रात 12 बजे तक चलती रहेगी जिसके बाद मंगलवार को अंतिम आंकड़े जारी किए जाएंगे।

आगर वर्तमान आंकड़ों का आंकलन करें तो अनुमान है कि राजधानी में करीब 30 प्रतिशत लोगों ने अपने गणना फार्म जमा नहीं कराए हैं, जो लाखों में बैठने वाले हैं। जानकारी अनुसार वर्तमान में राजधानी दिल्ली में कुल 14510299 मतदाता हैं। इनमें से सोमवार रात आठ बजे तक 9747879 मतदाताओं ने अपने गणना फार्म जमा करा दिए, जो 67.18 प्रतिशत बैठता है। देर रात 12 बजे तक फार्म जमा करने की प्रक्रिया के समाप्त होने के बाद मंगलवार को अंतिम आंकड़े सामने आएंगे। उसके बाद ही कुछ कहा जा सकता है कि एसआईआर प्रक्रिया में कितने लाख लोग बाहर हुए हैं। दिल्ली के मुख्य चुनाव कार्यालय के

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह तो संभव नहीं है कि अंतिम दिन के मौके पर शेष सभी लोगों ने अपने फार्म जमा कराएं होंगे। जाहिर है ऐसे में लाखों फार्म जमा नहीं कराए गए। अधिकारी ने एक सवाल के जवाब में कहा कि इसके कई कारण हो सकते हैं। जैसे मतदाता की मृत्यु होना, दिल्ली से बाहर अन्यत्र राज्य में बसना और अवैध नागरिक होना शामिल हैं।

बता दें कि दिल्ली में एसआईआर प्रक्रिया 30 जून 2026 से 17 अगस्त 2026 तक चली। इस मामले में चुनाव कार्यालय का दावा है कि इस दौरान बीएलओ ने घर घर जाकर गणना फार्म बांट व वापस जमा भी किए। चुनाव आयोग की तरफ से मतदाताओं को जागरूक करने के लिए लगातार विभिन्न माध्यमों का सहारा लिया जाता रहा। अंतिम दिन कई लोगों में दिखी हड़बड़ी, गलत व आधे अधूरे फार्म जमा करने के मामले सामने आए। ऐसे लोगों को बीएलओ की तरफ से भरपूर मदद की गई और हर संभव गलतियां दूर कर गणना फार्म जमा किए गए। अंतिम सप्ताह में गणना फार्म जमा करने व डिजिटलीकरण करने का बोझ अधिकारियों व कर्मचारियों बढ़ गया था। जो अंतिम दिन यानी 17 अगस्त को बहुत अधिक दिखाई दिया।

नारंग ने सीवर ओवरफ्लो, खुले नैन हॉल को लेकर डीजेबी को लिखा पत्र

नई दिल्ली। एमसीडी में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने सीवर ओवरफ्लो, खुले गटर और जगह जगह जलभराव को लेकर जल मंत्री और दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के सीईओ को पत्र लिखकर समस्या का हल करने की मांग की है। नारंग ने पश्चिमी पटेल नगर एवं रंजीत नगर वार्ड 87 में सीवर ओवरफ्लो, खुले गटर और जलभराव से हो रहे परेशान लोगों की आवाज उठाई है। उन्होंने कहा कि हम जल मंत्री प्रदेश वर्मा, डीजेबी के सीईओ से सीवर सफाई, खुले गटर बंद करने और जल निकासी का स्थायी समाधान करने की मांग कर रहे हैं। वहीं इस बड़ी लापरवाही के लिए डीजेबी के दोषी अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई करे और उनकी जवाबदेही तय करें। वार्ड 87 में सीवर ओवरफ्लो के चलते चारों तरफ गंदगी फैलने से गंदे पानी से उठ रही दुर्गंध के कारण गंभीर स्वास्थ्य बीमारियों का खतरा बढ़ता रहा है। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों की तरफ से संबंधित विभाग और उसके कर्मचारियों को अनेक बार शिकायतें दर्ज कराई गई हैं। बावजूद इसके संबंधित कर्मचारियों की ओर से समस्या के समाधान के लिए अपेक्षित कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोग बहुत बुरी तरह से परेशान हैं और अगर समस्या का हल नहीं हुआ तो उनके द्वारा विरोध प्रदर्शन आदि किया जा सकता है।



हरिभूमि न्यूज »» नई दिल्ली

हाथों में तिरंगा लेकर चलना केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति प्रेम, गौरव, सम्मान और देशभक्ति की सामूहिक अभिव्यक्ति है। इस बात पर बल दिया गया कि यह तिरंगा यात्रा ‘विकसित भारत’ के निर्माण के संकल्प की यात्रा है और इसमें शामिल बड़ी संख्या में बच्चे और युवा भारत की नई ऊर्जा व सामर्थ्य के प्रतीक हैं।

यह बातें सोमवार को नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) द्वारा नई दिल्ली के कर्नॉट प्लेस स्थित जनपथ रेडियल, इनर सर्कल से आयोजित ‘तिरंगा यात्रा’ में



शामिल बच्चों और कर्मचारियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ‘हर घर तिरंगा, हर मन तिरंगा’ के

आह्वान को जन-जन तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बनी है। तिरंगा हाथ में लेकर चल रहा प्रत्येक नागरिक ‘विकसित भारत

@2047’ के राष्ट्रीय संकल्प से गहराई से जुड़ा हुआ है। उन्होंने रेखांकित किया कि विकसित भारत का निर्माण केवल सरकार के प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए प्रत्येक भारतीय का सामूहिक योगदान अनिवार्य है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री द्वारा बताई गई ‘सत्तधाता’ के माध्यम से भारत की विकास यात्रा को एक नई गति मिलेगी, और देश का हर नागरिक इस ऐतिहासिक बदलाव का साक्षी और सहयोगी बनेगा। तकनीकी और औद्योगिक प्रगति पर बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मैनुफैक्चरिंग, इनोवेशन,

टेक्नोलॉजी, सॉफ्ट स्किल्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहित प्रत्येक क्षेत्र में भारत नेतृत्व करने की अपार क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत केवल एक सपना नहीं, बल्कि एक मिशन है, जिसके लिए पूरे देश को मिशन मोड में काम करना होगा। बच्चों और युवाओं को विकसित भारत का मुख्य आधार बताते हुए उन्होंने कहा कि जब देश के युवा पढ़ेंगे, नए विचार सोचेंगे और राष्ट्रहित में नवाचार करेंगे, तो भारत की प्रगति को एक नई दिशा और गति मिलेगी। उन्होंने पूर्ण विश्वास व्यक्त किया कि भारत हर क्षेत्र में आगे बढ़ते हुए आने वाले समय में विश्व का नेतृत्व

करेगा। अपने संबोधन के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता खुद तिरंगा यात्रा को नेतृत्व किया। मुख्यमंत्री के साथ तिरंगा यात्रा में नई दिल्ली नगरपालिका अध्यक्ष मनोज कुमार द्विवेदी, उपाध्यक्ष कुलदीप सिंह चहल, परिषद के सदस्य दिनेश प्रताप सिंह, अनिल वाल्मीकि एवं सरिता तोमर, एनडीएमसी सचिव राहुल सिंह अन्य अधिकारी शामिल हुए। इस तिरंगा यात्रा में 6 हजार से अधिक एनडीएमसी के विद्यालयों के हजारों विद्यार्थियों और शिक्षकों, अभिभावकों, एनडीएमसी कर्मचारियों, विशिष्ट अतिथियों तथा समाज के विभिन्न वर्गों के नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।



हरिभूमि

नई दिल्ली, मंगलवार
18 अगस्त 2026

सहेली

हमारे आस-पास ऐसे भी लोग होते हैं, जो कुछ भी ऐसा बोल जाते हैं, जो तल्ख या कटाक्ष भरा होता है। इससे दिल को ठेस लगती है। इस कारण हम बहुत समय तक मेंटली डिस्टर्ब रहते हैं। यह हमारे मेंटल ही नहीं फिजिकल हेल्थ के लिए भी सही नहीं है। इसलिए लोगों की बातों को हमें इस तरह दिल पर नहीं लेना चाहिए। हमेशा मेंटली और इमोशनली स्ट्रॉन्ग रहना चाहिए।

दूसरों की बातों को ना लें दिल पर बनें मेंटली-इमोशनली स्ट्रॉन्ग

कवर स्टोरी
डॉ. आरती आनंद
क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट
सर गंगाराम अस्पताल, दिल्ली



यदि हमारी जीवनशैली तनावमुक्त हो, तो यह किसी वरदान से कम नहीं है, लेकिन अक्सर ही हम छोटी-छोटी बातों को भी दिल से लगा लेते हैं। किसी की आलोचना, कटु शब्द या नकारात्मक व्यवहार हमें भीतर तक कचोट जाता है। फिर हम उसी घटना के बारे में लगातार सोचते रहते हैं। यही ओवरथिंकिंग धीरे-धीरे हमारा मानसिक संतुलन बिगाड़ देती है। परिणाम यह होता है, हमारी सोच नेगेटिव होने लगती है, जो हमारी मेंटल हेल्थ के लिए सही नहीं है।

नेगेटिव सोच का हेल्थ पर बुरा असर

जब मन नेगेटिव सोच से भरा रहता है, तो इसका असर हमारे पूरे जीवन पर पड़ता है। रातों की नींद उड़ जाती है, मन हर समय चिंता में डूबा रहता है, एक बेचैनी रहती है। घर का माहौल भी तनावपूर्ण हो जाता है। रिश्तों में भी खटास आने लगती है। लंबे समय तक ऐसी स्थिति बनी रहने से इसका प्रभाव केवल मन पर ही नहीं, शरीर पर भी पड़ने लगता है। सिरदर्द, थकान, उच्च रक्तचाप और कई अन्य शारीरिक समस्याएं जन्म लेने लगती हैं। इसलिए हमें मेंटली-इमोशनली स्ट्रॉन्ग होना चाहिए। किसी की पैनिंग बातों पर बहुत ज्यादा ध्यान नहीं देना चाहिए।

इमोशनली कौन होता है स्ट्रॉन्ग

इमोशनली स्ट्रॉन्ग व्यक्ति वह नहीं होता, जो लोगों की बातों को दिल पर ना ले, उसे कभी दुःख न हो या जो लोगों के व्यवहार से व्यथित होकर कभी रोए नहीं। बल्कि वह व्यक्ति इमोशनली स्ट्रॉन्ग होता है, जो हर कठिन परिस्थिति में स्वयं को संभालना जानता है। अपनी भावनाओं और परिस्थितियों को समझता है, उन्हें स्वीकार करता है, परिस्थितियों के अनुसार सही निर्णय लेने का प्रयास करता है।

लोग हमारे हिसाब से व्यवहार नहीं करते

इंसान को यह समझना चाहिए कि जीवन में हर व्यक्ति हमारे हिसाब से पेश नहीं आता। वह अपने हिसाब से बोलता है, व्यवहार करता है, ऐसे लोग हमारे नियंत्रण से बाहर होते हैं। वहीं कुछ लोग हमारे स्वभाव के अनुकूल होते हैं, अच्छे से पेश आते हैं। बुद्धिमानों इसी में है कि जो हमारे अनुकूल हैं, उसे स्वीकार करें, साथ ही जिन्हें हम बदल सकते हैं, उन्हें बदलने का प्रयास करें। यह सोच हमें मानसिक रूप से मजबूत बनाती है, तरह-तरह के लोगों का सामना करने का साहस देती है।

लोग क्यों गलत व्यवहार करते हैं

जो लोग बिना सोचे-समझे गलत-सलत बोलते हैं, गलत व्यवहार करते हैं, इसके पीछे के कारणों को हमें समझना चाहिए। असल में ऐसे लोग यह नहीं



दरअसल, बचपन से वे अपने परिवार और माता-पिता के व्यवहार को देखकर यही सीखे होते हैं। इसलिए उन्हें लगता है कि यदि वे तुरंत कुछ नहीं बोलेंगे तो लोग उन्हें कमजोर समझेंगे। इसलिए वे कुछ भी उल्टा-सीधा बोल देते हैं।

कैसे करें अपने आपको कंट्रोल

किसी को भी दूसरों के साथ इस तरह का गलत व्यवहार नहीं करना चाहिए कि वह हर्ट फील करें, अपमानित महसूस करें या गुस्सा आए। जब भी आपको इस तरह की किसी बात पर गुस्सा आए तो अपने आपको नियंत्रित करने की कोशिश करें। किसी भी बात को व्यक्तिगत रूप से न लें। अपने मन को शांत रखें, दो मिनट रुकें और फिर सामने वाले को शांत मन से प्रेम पूर्वक जवाब दें। जहां तक संभव हो, तुरंत प्रतिक्रिया देने से बचें। अक्सर हम गलत ढंग से तब ही प्रतिक्रिया देते हैं, जब हमारे मन में किसी व्यक्ति के प्रति पहले से नकारात्मक भाव भरे होते हैं। इसलिए मन में नकारात्मकता को स्थान न दें, हमेशा सकारात्मक सोच रखें। धैर्य से काम लें, संयमित व्यवहार करें।



काउंसलिंग कराना भी है फायदेमंद

यदि किसी व्यक्ति का व्यवहार सही नहीं रहता है, वह बार-बार आपको परेशान कर रहा है, तो सबसे पहले उसे शांत और प्रेम पूर्वक समझाने की कोशिश करें। यदि इसके बाद भी उसके व्यवहार में कोई बदलाव नहीं आता, तो उसे काउंसलिंग लेने की सलाह दें। अक्सर लोग काउंसलिंग शब्द सुनते ही घबरा जाते हैं, जबकि इसमें डरने जैसी कोई बात नहीं है। काउंसलिंग व्यक्ति को अपनी भावनाओं, सोच और व्यवहार को बेहतर ढंग से समझने और उनमें सकारात्मक बदलाव लाने में मदद करती है।

नई पीढ़ी के बदलते रिश्ते

समझदारी से बढ़ाएं कदम

हाल के वर्षों में युवक-युवतियों के बीच 'फ्रेंड्स विद बेनिफिट्स' और 'सिचुएशनशिप' जैसे रिलेशंस काफी देखे जा रहे हैं। ऐसे रिलेशंस कितने स्थायी होते हैं, इनका भविष्य कैसा है, इस बारे में समझना जरूरी है।



नया दौर
रज्जहा सिंह

आज की नई पीढ़ी में स्त्री-पुरुष के रिश्तों की परिभाषा तेजी से बदल रही है। पहले जहां प्रेम, विश्वास और विवाह को किसी भी संबंध का आधार माना जाता था, वहीं अब कुछ नए प्रकार के रिश्ते युवाओं के बीच सामान्य होते जा रहे हैं। इनमें 'फ्रेंड्स विद बेनिफिट्स' और 'सिचुएशनशिप' जैसे संबंध प्रमुख हैं। ऐसे रिलेशन में आगे कदम बढ़ाने से पहले इनके बारे में समझना आवश्यक है।

फ्रेंड्स विद बेनिफिट्स और सिचुएशनशिप

'फ्रेंड्स विद बेनिफिट्स' ऐसे दो दोस्तों का संबंध होता है, जिनके बीच दोस्ती तो होती है, लेकिन प्रेम या भविष्य को लेकर कोई प्रतिबद्धता नहीं होती। वे केवल अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए जुड़ते हैं। दोनों के बीच यह स्पष्ट समझ होती है कि भविष्य में कोई एक-दूसरे पर अधिकार नहीं जताएगा। दूसरी ओर 'सिचुएशनशिप' दोस्ती से एक कदम आगे का रिश्ता माना जाता है। इसमें आकर्षण, रोमांस, साथ समय बिताना, उपहार देना, डिनर पर जाना और एक-दूसरे की मदद करना जैसी बातें शामिल होती हैं, लेकिन विवाह या जीवन भर साथ निभाने का कोई वादा नहीं होता।

वर्षों बढ़ रहे हैं ऐसे रिलेशन

ऐसे रिश्ते पारंपरिक सोच रखने वाले परिवारों

के लिए स्वीकार करना कठिन होते हैं। बचपन से बच्चों पर अच्छी पढ़ाई, बेहतर करियर, ऊंची आय और सामाजिक प्रतिष्ठा हासिल करने का दबाव समय के साथ बढ़ता जाता है। इस दौड़ में उन्हें रिश्तों की भावनात्मक गहराई, परिवार के महत्व और वैवाहिक जीवन की जिम्मेदारियों को समझने का पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाता। परिणामस्वरूप कई युवा ऐसे रिश्तों को सुविधाजनक विकल्प मानने लगते हैं, जिनमें जिम्मेदारी कम और स्वतंत्रता अधिक होती है।

महिलाएं रखें ध्यान

महिलाएं भावनाओं और आकर्षण के बीच का अंतर समझें। किसी भी रिश्ते में आत्मसम्मान, विश्वास, स्पष्टता और मानसिक सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण होता है। केवल अकेलेपन या आकर्षण के कारण ऐसा संबंध स्वीकार करना, जिसमें भविष्य की कोई स्पष्ट दिशा न हो, बाद में भावनात्मक पीड़ा का कारण बन सकता है। बदलते समय को समझना आवश्यक है, लेकिन ऐसे संबंधों का चुनाव करते समय महिलाओं को अपनी भावनात्मक सुरक्षा, सम्मान और भविष्य को हमेशा प्राथमिकता देनी चाहिए।

परिवार की क्या हो भूमिका

परिवारों की भी जिम्मेदारी है कि वे बेटियों, बेटों दोनों के साथ रिश्तों, भावनाओं और विवाह जैसे विषयों पर खुलकर संवाद करें। यदि युवाओं को स्वस्थ संबंधों का महत्व समझाया जाए तो वे जिम्मेदार रिश्तों की ओर अधिक आकर्षित होंगे। a

सजेशन
मनोज अग्निहोत्री

शहरों-महानगरों के फ्लैट कल्चर के इस युग में एक कैपस या सोसाइटी में सैकड़ों परिवार रहते हैं। यहां पर कैपस में ही सभी सुविधाएं होती हैं। ऐसे में बच्चों को सोसाइटी में रहने के एटिकेट्स सिखाना बहुत आवश्यक है, क्योंकि बच्चों की आदतें, स्वभाव और गतिविधियां कहीं-न-कहीं उनके पैरेंट्स की परवरिश के बारे में भी बताती हैं।

पड़ोसियों से सम्मानजनक व्यवहार: बच्चों को किसी के भी घर में जाकर यहाँ-वहाँ ताका-झाँकी न करने को कहें। भले ही किसी पड़ोसी का दरवाजा खुला हो पर उन्हें कॉलबेल बजाकर ही घर में प्रवेश करने को कहें। किसी के भी घर में प्रवेश करने से पहले अपने से बड़ों का अभिवादन करना सिखाएं। कई बार बच्चे खेल-खेल में अपने आस-पास के फ्लैट्स की कॉलबेल बजाकर भाग जाते हैं, जिससे उस फ्लैट में रहने वालों को काफी परेशानी होती है। इसलिए बच्चों को ऐसा न करने की सख्त हिदायत दें। **एमिनटीज को ठीक से हैंडल करें:** आजकल प्रत्येक सोसाइटी में जिम, स्विमिंग पूल और झूलने जैसी अनेक एमिनटीज होती हैं। आप बच्चों को इन्हें सभ्यतापूर्वक प्रयोग करने की हिदायत दें। कई बार छोटे बच्चे जिम में जाकर डबल्स और अन्य चीजों की उठा-पटक करते हैं, जिससे उन्हें चोट तो लग ही सकती है। साथ ही जिम की चीजें भी अस्त-

अगर आप पलैट में रहते हैं तो ध्यान रखें कि आपके बच्चों की एक्टिविटीज ऐसी नहीं होनी चाहिए कि सोसाइटी में रहने वाले दूसरे लोगों को कोई परेशानी हो। ऐसे में उन्हें बचपन से ही सोसाइटी में रहने के कुछ एटिकेट्स जरूर सिखाएं।

बच्चों को सिखाएं सोसाइटी एटिकेट्स



व्यस्त हो जाती हैं। इसलिए उन्हें ऐसा न करने को समझाएं। **सोसाइटी को रखें साफ-सुथरा:** अक्सर बच्चे लिफ्ट, वेंटिंग एरिया आदि को स्केच पेन से गंदा कर देते हैं, अपनी साइकिलों को इधर-उधर छोड़ देते हैं, सोसाइटी के गार्डन एरिया में फूलों को तोड़ने लगते हैं या फिर कई बार बच्चे चिप्स, चॉकलेट-टॉफी आदि के पैकेट्स को कहीं भी फेंक देते हैं। सोसाइटी को भी अपने घर की तरह ही साफ-सुथरा रखने की हिदायत और सीख अपने बच्चों को दें। सामूहिक रूप से उन्हें सोसाइटी क्लीन करने के लिए प्रेरित करें। इसके लिए वीक में किसी हॉली-डे पर आप खुद भी बच्चों के साथ मिलकर सोसाइटी को क्लीन रखने के काम में उनका साथ दे सकते हैं। इससे बच्चे प्रेरित होंगे और उत्साह से इस काम को करेंगे। **सभी को दें रेस्पेक्ट:** कुछ बच्चे सोसाइटी के गार्ड्स, स्वीपर्स और मेड्स से मिसबिहेव करते हैं। आप उन्हें अपने से बड़े प्रत्येक इंसान से सम्मानजनक तरीके से पेश आने को कहें फिर चाहे वह सोसाइटी का वर्कर हो या निवासी। **नियमों का करें पालन:** अक्सर बच्चे सोसाइटी की पार्किंग में खड़ी गाड़ियों के कांच तोड़ देते हैं या फिर उन पर स्क्रैच कर देते हैं। उन्हें इस प्रकार की हरकतें करने पर समझाएं, हल्की डांट भी लगाएं और आगे से न करने की सीख दें। उन्हें समझाएं कि अगर कोई हमारी गाड़ी पर ऐसा करेगा तो कितना गंदा लगेगा। इससे बच्चे जल्दी समझेंगे और भविष्य में ऐसा नहीं करेंगे। इसके साथ ही सोसाइटी के नियम उन्हें बताएं कि क्या करना है और क्या नहीं? आप उन्हें हर उस एक्टिविटी के बारे में जरूर बताएं, जिससे दूसरों को परेशानी हो सकती है। a

(चाइल्ड काउंसलर कीर्ति वर्मा से की गई बातचीत पर आधारित)

स्किन केयर
शहनाज हुसैन, ऑनकोलॉजिस्ट

हालांकि बारिश के दिनों में धूप कम ही निकलती है लेकिन इसके बावजूद धूप से सुरक्षा बहुत जरूरी होती है क्योंकि सूर्य की युवी किरणें बादलों को पार करके जमीन पर आ जाती हैं और त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती हैं। ऐसे में आप 30 एस पी एफ या इससे ज्यादा क्षमता की सनस्क्रीन जरूर लगाएं। लेकिन त्वचा की सुरक्षा के लिए सनस्क्रीन के साथ-साथ धरेलू उपचारों को भी आजमाएं। **ऐसे बना सकते हैं सनस्क्रीन:** घर में उपलब्ध चीजों से सनस्क्रीन बनाने के लिए एलोवेरा जेल, नारियल तेल, शिया बटर और जिंक ऑक्साइड का उपयोग किया जा सकता है। इन सबको मिलाकर एक क्रीम बनाई जा सकती है, जो त्वचा को धूप से

स्किन प्रोटेक्शन के लिए घर में बनाएं सनस्क्रीन

बचाने में मदद करती है। धूप की जलन से त्वचा की सुरक्षा में एलोवेरा महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। एलोवेरा को आप सीधे पीघे से तोड़कर भी इस्तेमाल कर सकती हैं। आप इसकी शाखा को खुरच कर जेल निकाल लें और इसे सीधे अपनी त्वचा पर लगा लें। कुछ देर बाद त्वचा को ताजे पानी से धो डालें। यह सनबर्न का बेहतर इलाज है।

खीरा-गुलाब जल: त्वचा के लिए गुणकारी खीरा का इस्तेमाल भी आप आधे कप नारियल तेल में ऑलिव ऑयल



हैं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले खीरे को कटुक्स करें और उसका पूरा रस निकाल लें। अब इसमें गुलाब जल मिलाकर एक घोल तैयार कर लें। अब इस मिश्रण को आप सनस्क्रीन की तरह इस्तेमाल कर सकती हैं। ठंडी तासीर की वजह से खीरा आपको ठंडक देगा।

नारियल-जैतून तेल: नारियल-जैतून तेल स्किन के लिए काफी फायदेमंद हैं। इससे सनस्क्रीन बनाने के लिए आधे कप नारियल तेल में ऑलिव ऑयल

ऑफिस में कई-कई घंटे बैठकर रेगुलर डेस्क वर्क करने से आपकी हेल्थ पर बुरा असर पड़ सकता है। इससे बचने के लिए आप वर्कप्लेस पर माइक्रो वॉक कर सकती हैं। यह कैसे करते हैं, इसके क्या फायदे हैं, जानिए।

ऑफिस में करें माइक्रो वॉक आप रहेंगी फिट-एनर्जेटिक



आप ऑफिस में हर घंटे सिर्फ 2-5 मिनट चलने की आदत बना लेती हैं, तो यह आपकी शारीरिक और मानसिक सेहत दोनों

के लिए लंबे समय में लाभकारी साबित हो सकता है। छोटी-छोटी स्वस्थ आदतें ही भविष्य में बड़ी बीमारियों से बचाती हैं। **क्या है माइक्रो वॉक:** इन समस्याओं से बचाव में माइक्रो वॉक काफी कारगर हो सकती है। माइक्रो वॉक का अर्थ है, दिन भर में नियमित अंतराल पर केवल 2 से 5 मिनट के लिए उठकर चलना। हर 30 से 60 मिनट में अपनी सीट से उठें, थोड़ा टहलें, पानी भरने जाएं, सीढ़ियां चढ़ें या ऑफिस के कॉरिडोर में कुछ मिनट टहलें।

माइक्रो वॉक के फायदे: इसके कई फायदे हैं। जैसे-शरीर में रक्त संचार बेहतर होता है। कमर, गर्दन और कंधों पर पड़ने वाला दबाव कम होता है। शरीर में ऊर्जा बनी रहती है और थकान कम महसूस होती है। मानसिक तनाव कम करने और मूड बेहतर रखने में मदद मिलती है। एकाग्रता और उत्पादकता बढ़ती है। लंबे समय में मोटापा, डायबिटीज और

की 15 बूंदें डालें। अब इसमें 7 बूंदें कैरट सीड्स ऑयल मिलाएं और इसे एक कांच की बोतल में भरकर रख दें। आप इसे लंबे समय तक यूज कर सकती हैं।

शिया बटर-बादाम ऑयल: कांच की कटोरी में दो चम्मच बादाम का तेल, एक चम्मच शिया बटर, 1 चम्मच कोको बटर, विटामिन ए, कैप्सूल, जिंक ऑक्साइड आधा चम्मच लें। सभी चीजों को अच्छी तरह से मिलाकर एक एयर टाइट कंटेनर में रख लें, बाहर जाने से 15-20 मिनट पहले लगा लें। **एलोवेरा-शिया बटर:** 1 चम्मच एलोवेरा जेल, 1-2 चम्मच नारियल तेल, 3-4 चम्मच शिया बटर और 3-4 चम्मच जिंक ऑक्साइड को एक कटोरी में मिलाकर क्रीम जैसा मिश्रण बना लें। इस मिश्रण को एक प्लास्टिक के डब्बे में डालकर फ्रीज में रख लीजिए और यूज कीजिए। एलोवेरा जेल, स्किन को मॉयश्चराइज करने में मदद करता है और त्वचा को ठंडक प्रदान करता है। a

हृदय रोगों के जोखिम को कम करने में सहायता मिलती है। लंबे समय तक बैठने से होने वाली मसल्स की अकड़न में राहत मिलती है।

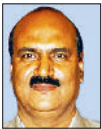
कैसे करें माइक्रो वॉक : हर 45-60 मिनट का रिमाइंडर अपने फोन पर सेट करें। फोन पर बात करते समय बैठे रहने की बजाय चलते हुए बातचीत करें। पानी की बोतल बार-बार भरने के लिए स्वयं जाएं। यदि संभव हो, लिफ्ट की जगह सीढ़ियों का उपयोग करें। प्रिंटर तक या सहकर्मी को डेस्क तक पहुंचाने के लिए वॉक करें। **मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद:** जब हम कुछ मिनटों के लिए अपनी सीट छोड़कर चलते हैं, तो मस्तिष्क को भी एक छोटा ब्रेक मिलता है। इससे तनाव कम होता है, ध्यान केंद्रित करने की क्षमता बढ़ती है और कार्य के प्रति उत्साह बना रहता है। कई बार केवल दो-तीन मिनट की वॉक भी मानसिक थकान को काफी हद तक कम कर सकती है। वैसे तो सिटिंग जॉब करने वाले सभी के लिए माइक्रो वॉक फायदेमंद है लेकिन आईटी प्रोफेशनल्स, बैंक, कॉल सेंटर, आकउंटेंट्स आदि प्रोफेशनल्स के लिए अधिक जरूरी है। a

(फिजियोथेरपिस्ट डॉ. इंद्रमणि उपाध्याय से बातचीत पर आधारित)

चिंतन कब तक युद्ध की कीमत चुकाएगी अर्थव्यवस्था

युद्ध की पहली तस्वीर हमेशा मिसाइल, टैंक और सैनिकों की होती है, लेकिन उसकी सबसे लंबी और गहरी मार अर्थव्यवस्था पर पड़ती है। रूस-यूक्रेन युद्ध में अब औद्योगिक प्रतिष्ठान और ऊर्जा ढांचा निशाने पर हैं। दूसरी ओर अमेरिका-इजराइल और ईरान के संघर्ष ने दुनिया को दिखा दिया है कि किसी एक क्षेत्र में युद्ध की आग भड़कने पर उसकी लपटें तेल, गैस, जहाजरानी, महंगाई और वैश्विक व्यापार तक पहुंच सकती हैं। हाल के महीनों में होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हुई है, जबकि यह मार्ग दुनिया के करीब पांचवें हिस्से के तेल और एलएनजी कारोबार के लिए अहम है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी चेताया है कि युद्ध के कारण तेल बाजार पर पड़ा झटका वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर जोखिम बन सकता है। इसी बीच यूक्रेन के क्रिवी रिह शहर में भारतीय उद्योगपति लक्ष्मी मित्तल की कंपनी आसेलरमितल के स्टील प्लांट पर रूसी मिसाइल हमला बेहद गंभीर संकेत है। हमले में दो लोगों की मौत और 13 कर्मचारियों व ठेकेदारों के घायल होने की खबर है। प्लांट की ऊर्जा व्यवस्था और ब्लास्ट फर्नेस से जुड़े अहम हिस्सों को नुकसान पहुंचा और उत्पादन का कुछ काम रोकना पड़ा। यह सिर्फ एक फैक्ट्री पर हमला नहीं है, बल्कि उस आर्थिक ढांचे पर प्रहार है जिसके सहारे किसी देश की उत्पादन क्षमता खड़ी होती है। स्टील को आधुनिक अर्थव्यवस्था की रीढ़ कहा जाता है। सड़कें बनानी हों, पुल खड़े करने हों, रेलवे का विस्तार करना हो, वाहन बनाने हो या क्षा उपकरण तैयार करने हों। हर जगह स्टील की जरूरत है। इसलिए किसी बड़े स्टील संयंत्र की उत्पादन क्षमता प्रभावित होना केवल कंपनी के नुकसान तक सीमित नहीं रहता। इसके साथ कच्चे माल की आपूर्ति, परिवहन, रोजगार, निर्यात और हजारों दूसरी औद्योगिक इकाइयों की गतिविधियां प्रभावित होती हैं। युद्ध जब कारखाने तक पहुंचता है तो उसकी आर्थिक कीमत कई गुना बढ़ जाती है। सबसे चिंता की बात यह है कि आर्थिक ढांचा अब युद्ध की रणनीति का हिस्सा बनता जा रहा है। आसेलर मित्तल के इस संयंत्र को 2022 में भी निशाना बनाया गया था। यानी चार साल बाद भी औद्योगिक प्रतिष्ठान सुरक्षित नहीं हैं। एक मिसाइल कुछ क्षणों में उस उत्पादन क्षमता को नुकसान पहुंचा सकती है, जिसे तैयार करने में वर्षों और अरबों रुपये लगते हैं। इसके बाद पुनर्निर्माण का बोझ भी उसी अर्थव्यवस्था को उठाना पड़ता है, जो पहले ही युद्ध से कमजोर हो चुकी होती है। भारतीय कंपनियों के लिए भी यह एक बड़ी चेतावनी है। वैश्विक निवेश के दौर में कंपनियां नए बाजारों और संसाधनों की तलाश में दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में पहुंच रही हैं, लेकिन अब निवेश का फैसला केवल बाजार और मुनाफे के आधार पर नहीं हो सकता। राजनीतिक स्थिरता, युद्ध का जोखिम, ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री मार्ग और आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती भी निवेश के जरूरी पैमाने होने चाहिए। विडंबना यह है कि युद्ध लड़ने वाले देश सैन्य जीत का दावा कर सकते हैं, लेकिन अर्थव्यवस्था अक्सर ऐसी जीत की सबसे बड़ी कीमत चुकाती है। आम नागरिक के लिए युद्ध का मतलब नक्शे पर बदलती सीमाएं नहीं, बल्कि महंगा ईंधन, महंगे चीजें, असुरक्षित रोजगार और अनिश्चित भविष्य होता है। युद्ध कुछ घंटों में अर्थव्यवस्था की दशकों की मेहनत को मिटा सकता है। आखिर कब तक अर्थव्यवस्था युद्ध की कीमत चुकाती रहेगी। इसलिए बेहतर है कि सभी समाधान कूटनीति, संवाद और वार्ता से निकालें जाएं, ताकि अर्थव्यवस्था सुरक्षित रहे।

जलवायु परिवर्तन एस एन वर्मा



विदेशी निवेश से ही पूरा होगा नेट-जीरो उत्सर्जन का सपना

ग्लासगो में आयोजित 26वें जलवायु शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने घोषणा की थी कि वह वर्ष 2070 तक कार्बन-न्यूट्रल देश बन जाएगा। लेकिन इस लक्ष्य को हासिल करना आसान नहीं है। इसके लिए भारत को वर्ष 2070 तक लगभग 22.7 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर, यानी औसतन करीब 500 अरब डॉलर प्रतिवर्ष निवेश की आवश्यकता होगी। इसमें लगभग 6.5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का वित्तीय अंतराल अनुमानित है, जिसकी पूर्ति के लिए विदेशी पूंजी निवेश में वृद्धि जरूरी होगी। ग्रीन हाइड्रोजन, बैटरी स्टोरेज और कार्बन कैप्चर जैसी महंगी और नई तकनीकों के विकास के लिए विदेशी तकनीकी सहयोग और वैश्विक पूंजी की भी आवश्यकता होगी। फिलहाल, सम्मेलन में किए गए वादे के अनुसार भारत वर्ष 2030 तक गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता को 500 गीगावाट तक पहुंचाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। देश में 30 जून 2026 तक गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों पर आधारित कुल 297.36 गीगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता स्थापित हो चुकी है। इसमें 288.58 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा और 8.78 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता शामिल है। वर्ष 2015 में ही राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) के माध्यम से इसके लिए मजबूत आधार तैयार किया गया था। इसमें 2030 तक जीडीपी की उत्सर्जन तीव्रता में 33-35 प्रतिशत की कमी और गैर-जीवाश्म संसाधनों पर आधारित विद्युत ऊर्जा की स्थापित क्षमता में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी का लक्ष्य रखा गया था। नेट जीरो का अर्थ आखिर क्या है? इसका सीधा मतलब है कि वातावरण में छोड़ी जाने वाली ग्रीनहाउस गैसों और उनसे होने वाले अवशोषण के बीच संतुलन स्थापित करना। देश में इसकी दिशा में काम शुरू हो चुका है। महाराष्ट्र का बेला गांव इसका उदाहरण है। यहां कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए कई सरल लेकिन प्रभावशाली कदम उठाए गए। गांव में वृक्षारोपण अभियान के तहत 90 हजार से अधिक पेड़ लगाए गए, जो कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करने और वायु गुणवत्ता सुधारने में मदद करते हैं। सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने के लिए त्योहारों और विवाह समारोहों जैसे अवसरों पर भी पौधरोपण अभियान चलाए गए। स्वच्छ खाना पकाने को बढ़ावा देने के लिए पारंपरिक लकड़ी से चलने वाले चूल्हों का हवा एलपीजी और सौर ऊर्जा आधारित विकल्प अपनाए गए। वर्तमान में भूटान और सूरीनाम दुनिया के उन देशों में शामिल हैं जो कार्बन नेगेटिव हैं। यानी वे जितना कार्बन उत्सर्जित करते हैं, उससे अधिक मात्रा में कार्बन का अवशोषण करते हैं। दोनों देशों को अपनी कम जनसंख्या, सीमित औद्योगिक गतिविधियों और बड़े वन क्षेत्र का लाभ मिलता है।वैश्विक जलवायु संकट के बीच विकासशील देश भी उत्सर्जन कम करने में अपना योगदान दे रहे हैं। दुनिया के बड़े कार्बन उत्सर्जकों में शामिल भारत ने जलवायु संकट से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच पर महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किए हैं। हालांकि, अन्य बड़े प्रदूषकों की तुलना में भारत का प्रति व्यक्ति उत्सर्जन काफी कम है। दुनिया की करीब 17 प्रतिशत आबादी भारत में रहती है, जबकि वैश्विक उत्सर्जन में उसकी हिस्सेदारी 7 प्रतिशत से भी कम है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के लिए पांच सूत्रीय रणनीति ‘पंचामृत’ की घोषणा की थी। इसके तहत वर्ष 2030 तक गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता को 500 गीगावाट तक पहुंचाना, ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा नवीकरणीय स्रोतों से पूरा करना, एक अरब टन कार्बन उत्सर्जन कम करना और कार्बन उत्सर्जन की तीव्रता में 45 प्रतिशत तक कमी लाना शामिल है। इन लक्ष्यों के आधार पर भारत 2070 तक नेट जीरो की दिशा में आगे बढ़ रहा है।भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती क्लाइमेट फाइनेंस यानी जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए आवश्यक वित्त जुटाना है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी अमीर देशों से जलवायु वित्त उपलब्ध कराने की मांग की है। नीति आयोग की ‘नेट जीरो’ रिपोर्ट के अनुसार, भारत को 2070 तक इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए लगभग 22.7 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश की जरूरत होगी। वित्त वर्ष 2014 से 2026 तक देश के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में लगभग 45.72 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आया है। आर्थिक मदद और नई तकनीकों के बिना इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ना मुश्किल होगा। विकसित देशों को तकनीकी विकास और जलवायु वित्त में नेतृत्व करना होगा। भारत को भी अपने ऊर्जा ढांचे में बदलाव के साथ नागरिकों की जीवनशैली में परिवर्तन लाने होंगे। सही रणनीति, पर्याप्त निवेश और वैश्विक सहयोग के साथ भारत वर्ष 2070 के नेट जीरो लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ सकता है।

(लेखक स्वतंत्र संस्करण हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

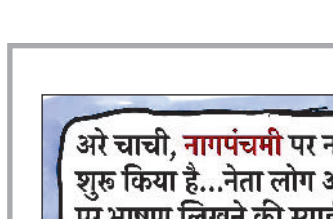


नई बहस ओमकार चौधरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से ‘दिमागी नक्सल’ शब्द का इस्तेमाल कर देश की आंतरिक सुरक्षा की बदलती तस्वीर पर गंभीर बहस छेड़ दी है। बंदूक उठाने वाला नक्सलवाद कमजोर पड़ा है, लेकिन उससे जुड़ी हिंसक और अराजक मानसिकता के नए रूप सामने आने की आशंका जताई गई है। ऐसे में आतंकवाद, नक्सलवाद, अलगाववाद, ‘अर्बन नक्सल’ और ‘दिमागी नक्सल’ के बीच अंतर समझना जरूरी हो जाता है। खासकर डिजिटल दौर में विचार, दुष्प्रचार और सोशल मीडिया के जरिए असंतोष को हिंसा की ओर मोड़ने की चुनौती सुरक्षा एजेंसियों के सामने नया सवाल खड़ा कर रही है।

सद्गुरु के प्रति रखना चाहिए कृतज्ञता का भाव

हमें हमेशा सद्गुरु के प्रति कृतज्ञता का भाव रखना चाहिए। दुनियावी तौर पर भी देखें कि अगर हमें कोई ऐसे इन्सान से मिला देता है, जिससे हमारा कार्य सिद्ध हो जाए, तो हम उस इन्सान के पहसान को नहीं भूलते, इसी प्रकार सद्गुरु ने हमारा परिचय एक ऐसी दिव्य शक्ति से करवाया है जो हमारी हर हरकत से वाकिफ है और हमारे अंग-संग भी है। भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में इसकी निशानी बताई कि जिसको शस्त्र नहीं काट सकता, पानी भिगो नहीं सकता, अग्नि जला नहीं सकती व हवा उड़ा नहीं सकती। निरंकार प्रभु के सर्वशक्तिमान व सर्वव्यापक होने की बात श्री रामचरित मानस में भी की गई है। बिन पग चलई सुनई बिन काना, कर बिनु कर्म कई विधि नाना।आनन रहित सकल रस भोगी,बिनु बाणी वक्ता बड़ जोगी॥ लेकिन यह बात हमारे जहन में रहे कि निरंकार प्रभु की सारी शक्तियों को संचालित व क्रियान्वित रूप देने वाला स्वयं सद्गुरु ही होता है, क्योंकि निरंकार, सद्गुरु में ही समाया होता है। निरंकार अपने आपमें एक विधान है, यह न्यायकारी है, निरंकार का नियम है कि जो जैसा कर्म करेगा उसे वैसा ही फल भोगना पड़ेगा, जैसे भगवान श्री कृष्ण ने गीता में लिखा है। कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन। हम कर्म के फल से चाहकर भी नहीं बच सकते। सद्गुरु से रहित सृष्टि की कल्पना भी नहीं की जा सकती। श्री कृष्ण जी ने कहा है कि आचार्य मा विनयाजित अर्थात् मुझे ही जानो। हे अर्जुन! संसार में ब्रह्मवेत्ता महात्मा सदैव ही उपलब्ध रहते हैं अन्यथा ब्रह्मवेत्ता रहित संसार एक भयंकर नरक कुंड बन जाता।



संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

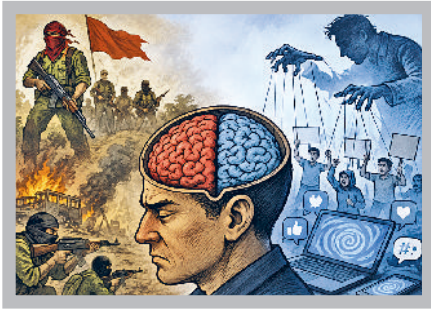
दिमागी नक्सल क्यों बने नई चुनौती?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त 2026 को लाल किले की प्राचीर से एक ऐसा शब्द प्रयोग किया, जिसने राष्ट्रीय सुरक्षा और लोकतांत्रिक विमर्श में नई बहस छेड़ दी है- दिमागी नक्सल। प्रधानमंत्री का कहना था कि दशकों तक देश के बड़े भूभाग को हिंसा की गिरफ्त में रखने वाला सशस्त्र नक्सलवाद अब अंतिम सांसें गिन रहा है, लेकिन नक्सली मानसिकता समाप्त नहीं हुई है। उनके अनुसार हथियारबंद नक्सली जंगलों में परास्त हुए हैं, पर ऐसी विचारधारा वाले तत्व अब भी अवसर की तलाश में रहते हैं और हिंसा तथा अराजकता के रास्ते खोजते हैं। प्रधानमंत्री ने ऐसे तत्वों को पहचानने और उन्हें अलग-थलग करने की आवश्यकता बताई।

प्रधानमंत्री ने यह बात किसी सामान्य राजनीतिक सभा में नहीं, बल्कि स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से कही। इसलिए सवाल स्वाभाविक है कि आखिर यह चुनौती कितनी गंभीर है? क्या भारत की आंतरिक सुरक्षा के खतरे का स्वरूप बदल रहा है? क्या बंदूक, बारूद और जंगलों में चलने वाले विद्रोह के कमजोर होने के बाद अब विचार, प्रचार, भ्रम, सामाजिक असंतोष और अराजक आंदोलनों के जरिए व्यवस्था को चुनौती देने का दौर शुरू हो रहा है? इस प्रश्न को समझने के लिए आतंकवाद, नक्सलवाद, अलगाववाद, अर्बन नक्सल और अब ‘दिमागी नक्सल’। इन पांचों के बीच अंतर भी समझना होगा। भारत कई दशकों तक एक साथ अनेक आंतरिक और बाहरी सुरक्षा चुनौतियों से जुझता रहा है। आतंकवाद ने जम्मू-कश्मीर से पंजाब और दिल्ली से मुंबई तक देश को गहरे घाव दिए। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी संगठनों ने सीमा पार से आतंकवाद को बढ़ावा दिया। दूसरी तरफ नक्सलवाद ने मध्य और पूर्वी भारत के बड़े हिस्से में समानांतर हिंसक व्यवस्था खड़ी करने की कोशिश की। पूर्वोत्तर और जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों में अलगाववाद की चुनौती रही। इन सभी चुनौतियों की प्रकृति अलग थी, लेकिन एक बात समान थी। भारतीय राज्य, संविधान और स्थापित व्यवस्था को चुनौती। आतंकवाद का सबसे प्रत्यक्ष रूप हिंसा है। उसका उद्देश्य भय उत्पन्न करके सरकार और समाज पर दबाव बनाना होता है। बम विस्फोट, सामूहिक हत्याएं, आत्मघाती हमले, अपहरण और सुरक्षा बलों पर हमले इसके हथियार रहे हैं।

पिछले एक दशक में भारत ने आतंकवाद के विरुद्ध अपनी रणनीति में बड़ा परिवर्तन किया है। आतंकवादी ढांचे, वित्तीय नेटवर्क, सीमा पार प्रशिक्षण और घुसपैठ के विरुद्ध सुरक्षा तथा खुफिया तंत्र को मजबूत किया गया है। आतंकवाद समाप्त हो गया है, ऐसा कहना जल्दबाजी

होगी, लेकिन उसकी परिचालन क्षमता को कई स्तरों पर गंभीर चोट पहुंची है। नक्सलवाद की कहानी इससे अलग है। 1967 में नक्सलबाड़ी से निकला माओवादी आंदोलन धीरे-धीरे सशस्त्र विद्रोह में परिवर्तित हुआ और छत्तीसगढ़, झारखंड, उड़ीसा, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, बिहार तथा पश्चिम बंगाल के हिस्सों में इसका प्रभाव फैलता गया। एक समय देश के सौ से अधिक जिले किसी न किसी रूप में नक्सली हिंसा से प्रभावित माने जाते थे। जंगलों के भीतर नक्सली संगठन अपनी समानांतर सत्ता चलाते थे। वे पुलिसकर्मियों और सुरक्षाबलों की हत्या करते थे, सरकारी भवनों को उड़ाते



थे, सड़क और रेल ढांचे को निशाना बनाते थे और स्थानीय आबादी से जबरन धन वसूलते थे। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने 2026 के संबोधन में कहा कि नक्सलवाद और माओवाद ने लाखों युवाओं का भविष्य बर्बाद किया और चार दशकों तक देश के बड़े हिस्से तथा विशाल आबादी को बंदूक के भय में रखा। उन्होंने यह भी कहा कि सामान्य नागरिकों की रक्षा करते हुए 3,500 से अधिक पुलिस और सुरक्षा कर्मियों ने बलिदान दिया, लेकिन यहीं से प्रधानमंत्री की दूसरी चिंता शुरू होती है। हथियारबंद नक्सली पराजित हो गए हैं, लेकिन नक्सली मानसिकता अभी मौजूद है। ऐसे तत्व अवसर तलाश रहे हैं, हिंसा और अराजकता के रास्ते खोज रहे हैं और समाज को गलत दिशा में ले जाने के लिए अलग-अलग तरीके अपना रहे हैं। यही वह संदर्भ है जिसमें दिमागी नक्सल शब्द सामने आया। सामान्यतः इसका इस्तेमाल उन लोगों के लिए किया जाता रहा जो स्वयं जंगलों में बंदूक लेकर न लड़ते हों, लेकिन माओवादी हिंसा अथवा उसके वैचारिक आधार के प्रति सहानुभूति रखते हों, उसे वैचारिक, बौद्धिक या प्रचारात्मक समर्थन देते हों अथवा व्यवस्था-विरोधी हिंसक आंदोलन को वैध ठहराने का प्रयास करते हों। हालांकि “अर्बन नक्सल” कोई स्पष्ट कानूनी श्रेणी नहीं है और इस शब्द के राजनीतिक इस्तेमाल को लेकर लंबे समय से विवाद रहा है। इसीलिए आज राष्ट्रीय सुरक्षा

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

केवल सीमा, पुलिस चौकी अथवा जंगल का प्रश्न नहीं रह गई है। सूचना का क्षेत्र भी नया युद्धक्षेत्र बन चुका है। सामाजिक माध्यम, कूट-रचित वीडियो, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार सामग्री, दुष्प्रचार, झूठी सूचनाएं और संगठित प्रचार कुछ घंटों में लाखों लोगों को प्रभावित कर सकते हैं। किसी स्थानीय विवाद को राष्ट्रीय संघर्ष बनाया जा सकता है। जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र, ब्रेरोजगारी, परीक्षा, किसान, छात्र अथवा किसी अन्य वास्तविक शिकायत को लेकर पैदा हुए असंतोष में भ्रामक सूचनाएं मिलाकर उसे हिंसक दिशा में मोड़ना पहले की तुलना में कहीं आसान हो गया है। यही वह क्षेत्र है जहां “दिमागी नक्सल” की अवधारणा को केवल पुराने माओवाद के चश्मे से नहीं देखा जा सकता। यदि इसका आशय ऐसी मानसिकता से है जो लोकतांत्रिक असंतोष को हिंसक अराजकता में बदलना चाहती है, समाज के विभिन्न वर्गों को लगातार एक-दूसरे अथवा राज्य के विरुद्ध भड़काती है और संवैधानिक रास्ते के बजाय अव्यवस्था को परिवर्तन का माध्यम मानती है, तो यह वास्तव में आधुनिक आंतरिक सुरक्षा की गंभीर चुनौती है।

पुराने नक्सलवाद को पहचानना अपेक्षाकृत आसान था। जंगल में हथियारबंद दस्ते थे, निश्चित संगठन थे, कमांडर थे, प्रशिक्षण शिविर थे और प्रभावित क्षेत्र थे। आतंकवादी की पहचान भी उसके संगठन, हथियार, वित्तीय नेटवर्क अथवा हिंसक कार्रवाई से की जा सकती थी। लेकिन विचार और दुष्प्रचार के क्षेत्र में काम करने वाले नेटवर्क को पहचानना कहीं कठिन है। वहां अपराध और विचार, असहमति और उकसावे, आंदोलन और अराजकता के बीच बहुत महीन अंतर होता है। इसलिए राज्य के सामने दोहरी चुनौती है। एक तरफ उसे उन नेटवर्कों पर निगरानी रखनी होगी जो हिंसा, अलगाववाद, आतंकवाद अथवा माओवादी विद्रोह के लिए वैचारिक और प्रचारात्मक वातावरण तैयार करते हैं। दूसरी तरफ उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि सरकार की आलोचना करने वाला प्रत्येक पत्रकार, छात्र, लेखक, बुद्धिजीवी, किसान नेता या राजनीतिक कार्यकर्ता केवल असहमति के कारण संदेह के घेरे में न आ जाए। भारत ने आतंकवाद के विरुद्ध बड़ी लड़ाई लड़ी है। नक्सली हिंसा को पीछे धकेला है। अलगाववादी नेटवर्क को भी गंभीर चुनौती मिली है। लेकिन इतिहास बताता है कि हिंसक विचारधाराएं केवल संगठन समाप्त होने से खत्म नहीं होतीं। वे स्वरूप बदलती हैं, नए मुद्दे तलाशती हैं, नई भाषा अपनाती हैं और नई पीढ़ी में प्रवेश करने का प्रयास करती हैं।

(लेखक सहित पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर आपकी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

संकलित दर्शन

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन ने घोषित की नवीन कार्यकारिणी

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को पार्टी के नए राष्ट्रीय पदाधिकारियों के नामों का ऐलान कर दिया। पार्टी की ओर से जारी सूची के अनुसार नई टीम में कई वरिष्ठ नेताओं को अहम जिम्मेदारियां दी गई हैं।

नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी। नई टीम में राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया समेत 13 नेताओं को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। भाजपा की ओर से जारी सूची के अनुसार, वसुंधरा राजे सिंधिया, डी. पुरंदेश्वरी, रेखा वर्मा, वर्षाबेन, नरेंद्रभाई देशी, डॉ. भारती प्रवीण पवार, सरदार मनप्रीत सिंह बादल शामिल हैं। संगठन में क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व का भी ध्यान रखा गया है।

टीम में 3 पूर्व मुख्यमंत्री भी शामिल

नई राष्ट्रीय टीम में 3पूर्व मुख्यमंत्री (वसुंधरा राजे, तीरथ सिंह रावत और बिलब देव) शामिल हैं। नई टीम में शामिल पूर्व मुख्यमंत्री और उनके पदवसुंधरा राजे (पूर्व मुख्यमंत्री, राजस्थान): इन्हें राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। तीरथ सिंह रावत (पूर्व मुख्यमंत्री, उत्तराखंड): इन्हें भी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिली है। बिलब देव (पूर्व मुख्यमंत्री, त्रिपुरा): इन्हें राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया गया है।



बिलब देव



रावत

‘दिमागी नक्सल’ पर भाजपा प्रवक्ता त्रिवेदी का कांग्रेस पर तीखा हमला

पूर्व प्रधानमंत्री के कथनों को किया कोट

डॉ. मनमोहन ने नक्सलवाद को आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया था

चिदंबरम बताएं- कौन सही और कौन गलत ?

एजेसी ►► नई दिल्ली

दिमागी नक्सल मामले पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम पर निशाना साधते हुए उन्होंने कांग्रेस से पूछा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह सही थे या पी चिदंबरम।

उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में उठाए गए ‘दिमागी नक्सल’ के मुद्दे का जिक्र करते हुए कहा कि इस विषय पर प्रधानमंत्री की टिप्पणी के 24 घंटे के भीतर ही इसके विरोध में सामने आए लोगों ने यह स्पष्ट कर दिया कि ‘नक्सली दिमाग’ किसके भीतर है? त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा ‘दिमागी नक्सल’ का विषय उठाना बेहद महत्वपूर्ण और मौजूदा परिस्थितियों के अनुरूप है। उन्होंने दावा किया कि चिदंबरम ने खुद को ‘दिमागी नक्सल’ कहे जाने पर गर्व जताया है।

जल्द ही सामने आ गए ‘नक्सली दिमाग’ वाले नेता

यूपीए सरकार के दौरान देश में नक्सलवाद का प्रभाव रहा काफी व्यापक

180 से अधिक जिले नक्सलवाद से प्रभावित बताए जाते थे

सुधांशु ने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दौरान देश में नक्सलवाद का प्रभाव काफी व्यापक था। उस समय ‘पशुपति से तिरुपति’ तक रेड कॉरिडोर की चर्चा होती थी और 180 से अधिक जिले नक्सलवाद से प्रभावित बताए जाते थे। उन्होंने 2010 के दंतेवाड़ा हमले का भी उल्लेख किया, जिसमें सीआरपीएफ के 75 से अधिक जवानों की मौत हुई थी। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि जिन समस्याओं को कांग्रेस सरकारें खत्म करने में नाकाम रहीं, उन्हें प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने निर्णायक रूप से निर्यात किया।



पी.चिदंबरम के शासनकाल में 5 हजार से ज्यादा निर्दोष नागरिकों की मौत हुई, 1913 जवान शहीद

उन्होंने कहा कि इस समय उस क्षेत्र में 1800 से अधिक बैंक की बांब खुल चुकी हैं, 1200 से अधिक एटीएम खुल चुके हैं और 6 हजार से अधिक मोबाइल टॉवर लग चुके हैं ताकि राष्ट्र की मुख्यधारा के साथ इन हलाकों का भी विकास हो सके। चिदंबरम के शासनकाल में 5 हजार से ज्यादा निर्दोष नागरिकों की मौत हुई। सुरक्षा बलों के 1913 जवान नक्सली अभियानों में शहीद हुए। नक्सलियों के पास उपलब्ध 92 प्रतिशत से अधिक हथियार पुलिस से लूटे हुए थे। जवानों के शहीद होने पर मनाया था जश्न: उन्होंने कहा कि 31 मार्च 2026 तक सरकार ने नक्सलवाद को खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करने का दावा किया है और यह वही खतरा था, जिसे मनमोहन ने वर्ष 2006 में देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया था। यूपीए के कार्यकाल के दौरान सीआरपीएफ के कई जवान शहीद हुए और यहां जश्न मनाया गया। इसे ही ‘दिमागी नक्सल’ कहते हैं। कांग्रेस इस पर स्पष्ट जवाब दे : त्रिवेदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि एक ओर पार्टी के पूर्व प्रधानमंत्री नक्सलवाद को गंभीर आंतरिक सुरक्षा चुनौती बताते थे, वहीं उनकी पार्टी के वरिष्ठ नेता इस मुद्दे पर अलग रुख अपना रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस से इस पूरे मामले पर स्पष्ट जवाब देने की मांग की। उन्होंने कहा कि 22 लाख लोगों को आयुष्मान भारत कार्ड उपलब्ध कराए जा चुके हैं। यह दृश्य जिसको खराब लगता है, वही दिमागी नक्सली है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई को केवल सुरक्षा बलों का कार्रवाई के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए बल्कि इसके वैचारिक प्रभाव से भी निपटना जरूरी है। इसी संदर्भ में उन्होंने प्रधानमंत्री के ‘दिमागी नक्सल’ वाले बयान को महत्वपूर्ण बताया और कांग्रेस पर वैचारिक दोहरापन का आरोप लगाया।

कांग्रेस डॉ. सिंह के वक्तव्य को याद रखे

मैं कांग्रेस और पी. चिदंबरम को याद दिलाता चाहता हूँ कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 13 अप्रैल 2006 को कहा था कि ‘इसे कहते हैं अतिशयोक्ति नहीं होगी कि नक्सलवाद का खतरा भारत के इतिहास में आज तक आंतरिक सुरक्षा के लिए उत्पन्न सबसे बड़ा

खतरा है। 31 मार्च 2026 को प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने उस चीज को जिसे सिंह समझ गए थे वो कार्य सिद्ध करके दिखाया लेकिन देश के एक ऐसे पूर्व गृह मंत्री हैं, जिसे इस पर गर्व नहीं हो रहा है बल्कि इस बात का गर्व हो रहा है कि वे ‘दिमागी नक्सली’ हैं।

किरेन रिजिजू बोले

‘दिमागी नक्सली’ वही जो संविधान को नहीं मानते

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए ‘दिमागी नक्सली’ मुद्दे पर बड़ा बयान दिया था, जिसके बाद इस मुद्दे पर देश में सियासी घमासान दिख रहा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री पी.चिदंबरम और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती जैसे सीनियर नेताओं ने खुद को ‘दिमागी नक्सली’ बताया है, जबकि किरेन रिजिजू ने कहा था कि दिमागी नक्सली वही है जो संविधान को नहीं मानते हैं। उन्होंने कहा ‘कि वह राज्य में अनुच्छेद 370 की बहाली का समर्थन करती हैं, इसलिए रिजिजू और उनकी सरकार की परिभाषा के हिसाब से वह भी एक ‘दिमागी नक्सल’ हैं।



वंदे मातरम के लिए खड़ा होऊंगा

गाऊंगा नहीं:मसूद

नई दिल्ली। सोमवार को कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा है कि वह राष्ट्रीय गीत का सम्मान करते हैं, उसके लिए खड़े भी होंगे लेकिन उसे गाएंगे न हीं । उ न्होंने इ स का र ण धा र्म क विश्वास और अधिकारों को बताया। मसूद का यह बयान तब आया है जब मल्लिकार्जुन खरेगे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी को लेकर ‘वंदे मातरम’ पर विवाद है।



हरिभूमि ब्यूरो ►► नई दिल्ली

देशभर में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने वाला ‘हर घर तिरंगा’ अभियान सोमवार को संपन्न हो गया। अभियान के पांचवें वर्ष में देश के करोड़ों नागरिकों ने अपने घरों पर तिरंगा फहराया और तिरंगा यात्राओं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा विभिन्न जनभागीदारी गतिविधियों में उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। वर्ष 2022 में शुरू हुआ ‘हर घर तिरंगा’ अभियान पिछले पांच वर्षों में देश के

राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना दिखाई दी

हर घर तिरंगा अभियान का समापन, देश भर में दिखा राष्ट्रभक्ति का उत्सव, लोगों में रहा उत्साह

सबसे बड़े जनभागीदारी आंदोलनों में शामिल हो गया है। अभियान ने नागरिकों में देशभक्ति की भावना को मजबूत करने के साथ राष्ट्रीय एकता और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रति गौरव को भी बढ़ावा दिया।

150 वर्ष के वंदे मातरम को समर्पित रहा अभियान

इस वर्ष का अभियान भारत के राष्ट्रीय गीत ‘वंदे मातरम’ के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर को समर्पित रहा। राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रीय गीत को एक साथ जोड़ते हुए इस बार देशभर में

राष्ट्रभक्ति का अनुूठा वातावरण देखने को मिला। देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में तिरंगा यात्राएं, साइकिल और मोटरसाइकिल रैलियां, सांस्कृतिक जुलूस, स्कूल-कॉलेज कार्यक्रम और सामुदायिक समारोह आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

युवाओं की भी रही व्यापक भागीदारी

स्कूलों और कॉलेजों ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय ध्वज और ‘वंदे मातरम’ के इतिहास एवं

महत्व से परिचित कराने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए। युवा पीढ़ी ने तिरंगा यात्राओं और विभिन्न सांस्कृतिक आयोजनों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पिछले पांच वर्षों में ‘हर घर तिरंगा’ अभियान ने देशवासियों को राष्ट्रीय ध्वज से जुड़ने और राष्ट्र के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त करने के नए अवसर दिए हैं। 2026 में इस जनभागीदारी का दायरा और स्वरूप विशेष रूप से व्यापक और जीवंत रहा, जिसने एक बार फिर तिरंगे को देश के करोड़ों नागरिकों के गौरव और एकता का प्रतीक बना दिया।

टीम में राजस्थान का दबदबा

पूनिया को महामंत्री की जिम्मेदारी

राजस्थान से राज्यसभा सांसद निर्वाचित हुए डॉ. सतीश पूनिया को भाजपा संगठन में बड़ी जिम्मेदारी मिली है। नितिन की नई टीम में पूनिया को राष्ट्रीय महामंत्री नियुक्त किया गया है। इन दो नामों के अलावा राजस्थान से ही मन्नालाल रावत को एसटी मोर्चे का अध्यक्ष बनाया गया है। पूनिया फिलहाल भाजपा के हरियाणा प्रभारी की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। अब राष्ट्रीय महामंत्री बनाए जाने के बाद संगठन में उनकी भूमिका और महत्वपूर्ण हो गई है।



डॉ. सतीश पूनिया

पूर्वोत्तर और सामाजिक वर्गों पर विशेष ध्यान

पार्टी ने इस बात पर जोर दिया कि पूर्वोत्तर क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया गया है। त्रिपुरा, असम और नागालैंड के तीन क्षेत्रीय नेताओं की नियुक्ति और संबित पात्रा के नेतृत्व में समर्पित नॉर्थ-ईस्ट कोऑर्डिनेशन सेल को जारी रखकर इस क्षेत्र को खास अहमियत दी गई है। समिति में पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और पूर्वोत्तर से चार आदिवासी प्रतिनिधि शामिल हैं, जिनमें से दो महिलाएं हैं। साथ ही, अनुसूचित जातियों (एससी) का प्रतिनिधित्व उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और मध्य प्रदेश के तीन सदस्य कर रहे हैं।

10 महिलाएं और अल्पसंख्यक समुदायों के 6 नेता शामिल

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी समेत 10 महिलाएं और अल्पसंख्यक समुदायों के छह नेता शामिल हैं। पार्टी नेताओं ने नेशनल पदाधिकारियों की इस नई टीम को अनुभवी प्रशासनिक और संगठनात्मक अनुभव, युवा जोश, भौगोलिक विविधता और व्यापक सामाजिक समावेश का एक रणनीतिक मिश्रण बताया। देश के विभिन्न हिस्सों से दस अनुभवी महिला नेताओं को नेशनल ऑफिस में नियुक्त किया गया है। स्मृति ईरानी को नेशनल जनरल सेक्रेटरी बनाया गया है। कविता पाटीदार और संगीता यादव को नेशनल सेक्रेटरी नियुक्त किया गया है। रूप कुमारी चौधरी को भाजपा महिला मोर्चा का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जबकि प्रीति गांधी को सोशल मीडिया सह-संयोजक बनाया गया है।



रूप कुमारी

23 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों को प्रतिनिधित्व

नई नियुक्तियां व्यापक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करती हैं, जिसमें देश भर के 23 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की आवाजों को शामिल किया गया है। टीम को देश के विशाल भौगोलिक परिदृश्य और क्षेत्रीय बारीकियों को गहरी समझ के साथ काम करने में सक्षम बनाती है।

गड़बड़ी की जांच,जेएसएससी कार्यालय में सीआईडी का छापा

झारखंड में परीक्षाओं में अनियमितता



एजेसी ►► रांची

झारखंड में नियुक्ति परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी की जांच अब तेज हो गई है। सोमवार को क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी) की टीम ने रांची स्थित झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के कार्यालय में छापेमारी शुरू की। यह कार्रवाई विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में की जा रही है। सीआईडी के अपर पुलिस महानिदेशक मनोज कौशिक ने बताया कि हम विभिन्न परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के संबंध में छापेमारी कर रहे हैं। 24 से आंदोलन कर रहे अस्थिर्थां झारखंड में विभिन्न नियुक्ति परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों को लेकर अस्थिर्थां का आंदोलन पिछले 24 दिन से जारी है। प्रदर्शनकारी छात्र भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं की जांच और अपनी अन्य मांगों को लेकर लगातार आंदोलन कर रहे हैं। सीआईडी की टीम छापेमारी के दौरान किन दस्तावेजों और रिकॉर्ड की जांच कर रही है, इसकी विस्तृत जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है।

अल्पसंख्यक का भी प्रतिनिधित्व



तारिक मंसूर

पार्टी ने कहा कि भारत के हर प्रमुख धर्म का सम्मान और समावेश सुनिश्चित करने के लिए नेशनल ऑफिस में एक सिख सदस्य, दो ईसाई सदस्य और मुस्लिम, जैन एवं पारसी समुदायों से 1-1 सदस्य को जगह दी गई है। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के पूर्व वाइस चांसलर प्रो. तारिक मंसूर को नेशनल उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। कुंवर बासित अली को अल्पसंख्यक मोर्चा का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ए.के. एंटनी के बेटे अनिल एंटनी को नेशनल सेक्रेटरी के पद पर बनाए रखा गया है। पंजाब के पूर्व वित्त मंत्री मनप्रीत सिंह बादल को भाजपा का नेशनल उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

सोरेन को राहुल का पत्र: समाधान करें

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखा है। राहुल ने राज्य में भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात करने और उनकी शेष मांगों का समाधान करने का आवाह किया है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82(2) (ii) Cr.P.C./84 BNSS देखिए)

मेरे समक्ष परिवार किया गया है कि अभियुक्त आमिर खान पुत्र मो. खुस्विद अहमद निवासी मकान नं. बी-739, जे.जे. कॉलोनी, ख्याला, दिल्ली ने एकआईआर सं. 256/2026, दिनांक 16.06.2026 अंतर्गत धारा 112(2)/318(4)/317(2)/317(5)/61(2)/3(5) भारतीय न्याय संहिता, 2023, थाना राजौरी गार्डन, जिला पश्चिम, नई दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त आमिर खान मिल नहीं रहा/रही है, और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त आमिर खान फरार हो गया/गई है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा/रही है) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि एकआईआर सं. 256/2026, दिनांक 16.06.2026 अंतर्गत धारा 112(2)/318(4)/317(2)/317(5)/61(2)/3(5) भारतीय न्याय संहिता, 2023, थाना राजौरी गार्डन, जिला पश्चिम, नई दिल्ली के उक्त अभियुक्त आमिर खान से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवार का उत्तर देने के लिए दिनांक 21.09.2026 को प्रातः 10:00 बजे या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार श्री शशांक नन्दन भट्ट न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-02 जिला पश्चिम, कोर्ट नं. 336, तीसरा तल तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली DP/11388/WD/2026 (Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता—2023 देखिए मेरे समक्ष परिवार किया गया है कि अभियुक्त 1) गोपाल कृष्ण जस्सल पार्टीनर, मेसर्स ट्रेडल एक्सपर्टस, पता: ए-5सी/5बी, जनकपुरी, बी-1, दिल्ली—110058, 2) नितीश अरोड़ा पार्टीनर, मेसर्स ट्रेडल एक्सपर्टस, पता: प्लॉट नं. 14, फ्लैट नं. बी-609, सी शो अपार्टमेंट्स, द्वारका, सेक्टर-6, दिल्ली—110075 ने CC NI Act 2133/2021, U/s 138 NI Act, पुलिस थाना आदर्श नगर, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होंने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त 1) गोपाल कृष्ण जस्सल, 2) नितीश अरोड़ा मिल नहीं रहे हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त 1) गोपाल कृष्ण जस्सल, 2) नितीश अरोड़ा फरार हो गए हैं (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहे हैं)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि CC NI Act 2133/2021, U/s 138 NI Act, पुलिस थाना आदर्श नगर, दिल्ली के अभियुक्त 1) गोपाल कृष्ण जस्सल, 2) नितीश अरोड़ा से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवार का उत्तर देने के लिए दिनांक 24.09.2026 को या इससे पहले हाजिर हो। आदेशानुसार - श्री आकाश शर्मा न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-03, उत्तरा कमरा नं. 213, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली DP/11419/NW/2026

कार्यालय पुलिस अधीक्षक, रेवाड़ी

अभियोग सं0 347 दिनांक 03.08.2026 धारा 137(2) BNS थाना माडल टाउन रेवाड़ी। गुमशुदा की पहचान नाम-वीर पुत्र रवि कुमार निवासी राजीव नगर धक्का बस्ती थाना माडल टाउन जिला रेवाड़ी, हरियाणा उम्र - 14 वर्ष कद - 4 फुट 5 इंच हुलिया - रंग गोरा, गोल चेहरा, पतला जिस्म, लम्बे बाल, पहनावा - स्लेटी रंग की काली पटटीदार लोअर, हल्के नीले रंग की आधी बाजू टी शर्ट, क्रीम कलर के जूते पहने हैं। दिनांक 02.08.2026 को शाम करीब 07.00 बजे वीर पुत्र रवि कुमार निवासी राजीव नगर धक्का बस्ती थाना माडल टाउन जिला रेवाड़ी अपने घर से कहीं चला गया। जिस सम्बन्ध में उपरोक्त अभियोग पंजीकृत हुआ है। वीर का अभी तक सुराग नहीं चला है यदि किसी सूचित को वीर के सम्बन्ध में सूचना प्राप्त होती है तो निम्नलिखित नम्बरों पर सूचित करें। 1. प्रबन्धक थाना माडल टाऊन रेवाड़ी-7056666122 2. पुलिस कन्ट्रोल रूम रेवाड़ी 01274-225156, 9306952004 3. अनुसंधानकर्ता थाना माडल टाऊन रेवाड़ी-9466223758 पीआरडीएच-1084/11/5186/2027/48240/88/7 दि. 17.08.26



उपलब्धि के के उपाध्याय



सरकार के जीवन में सौ दिन बहुत लंबा समय नहीं होता। इतने कम समय में किसी राज्य की पूरी तस्वीर बदल भी नहीं सकती। लेकिन सौ दिन यह बताने के लिए पर्याप्त होते हैं कि सरकार की नीयत क्या है, नीति क्या है और दिशा क्या है। पश्चिम बंगाल की नई सरकार के पहले सौ दिन इसी कसौटी पर देखे जाने चाहिए। इन सौ दिनों की सबसे बड़ी उपलब्धि केवल सरकारी फैसलों की लंबी सूची नहीं है। सबसे बड़ा परिवर्तन बंगाल के वातावरण में दिखाई देता है। शासन दिखाई देने लगा है। लंबे समय बाद बंगाल में आम आदमी यह महसूस कर रहा है कि सरकार केवल सत्ता का प्रतिष्ठान नहीं, उसकी अपनी सरकार भी है। कानून सबके लिए है। प्रशासन को जवाब देना होगा। विकास राजनीति की भेंट नहीं चढ़ेगा। यही इन सौ दिनों का सबसे महत्वपूर्ण संदेश है।

खबर संक्षेप
गोवा में बढ़ा पर्यटन, पहुंचे 61.38 लाख पर्यटक



पणजी। गोवा में इस साल जनवरी से जुलाई के बीच 61.38 लाख पर्यटक आए। इस दौरान केवल जुलाई महीने में ही पर्यटकों की संख्या सालाना आधार पर 2.27 प्रतिशत बढ़ी। मानसून के दौरान आमतौर पर गोवा में पर्यटकों की संख्या कम रहती है लेकिन इस साल के आंकड़े कुछ अलग तस्वीर पेश कर रहे हैं।

धूत ट्रांसमिशन का शेयर 38 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। वाहन कलपुर्जा विनिर्माता कंपनी धूत ट्रांसमिशन लिमिटेड का शेयर 871 रुपए के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब 38 प्रतिशत की बढ़त के साथ सोमवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर 1,193.80 रुपए पर सूचीबद्ध हुआ, जो निर्गम मूल्य से 37 प्रतिशत अधिक है। बाद में यह 39.23 प्रतिशत चढ़कर 1,212.70 रुपए पर पहुंच गया।

सूचना
सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/बलासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

राशिफल

	मन प्रसन्न रहेगा। परिवार में सुख-शान्ति रहेगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। भवन के रख-रखाव एवं साज-सज्जा के कार्यों पर खर्च बढ़ेगा।
	आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय हो सकती है।
	मन प्रसन्न हो जाएगा, परन्तु फिर भी आत्मसंयत रहें। रहन-सहन भी अत्यवस्थित रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ का ध्यान रखें।
	पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ बढ़ेगी। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं।
	वर्ध के क्रोध से बचे। बातचीत में सन्तुलित रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। व्यवधान आ सकते हैं। आय में कमी आ सकती है।
	अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी के लिए साक्षात्कारिक कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा।
	पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी।
	वर्ध के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं।
	मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। संयत रहें। वर्ध के वाद-विवाद से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद-परिणाम मिलेंगे। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।
	आत्मसंयत रहें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी और आय के साधन भी बनेंगे। खर्च भी बढ़ेगा। रुचि बढ़ेगी।
	मन शान्त तो रहेगा। फिर भी धैर्यशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धार्मिक समीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है।
	मन अशान्त तो हो सकता है। वाणी में मधुरता भी रहेगी। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है।

बंगाल के 100 दिन : भय से भरोसे तक

साथ सम्मान से जीना। जब नागरिक के मन से डर निकलता है, तभी लोकतंत्र मजबूत होता है। बंगाल में इसकी शुरुआत दिखाई दे रही है। सत्ता परिवर्तन का अर्थ केवल मुख्यमंत्री और मंत्रियों का बदलना नहीं होता। असली परिवर्तन तब होता है, जब शासन की कार्यसंस्कृति बदलती है। इन सौ दिनों में सरकार ने प्रशासन को स्पष्ट संकेत दिया है कि अब जवाबदेही सर्वोपरि है। फैसले समय पर हों। जनता की शिकायतें सुनी जाएं। योजनाएं कागज से निकलकर जमीन तक पहुंचें। सरकारी कार्यालय में सामान्य नागरिक को सम्मान मिले। अधिकारियों को भी संदेश मिला है। काम करना होगा। फैसले लेने होंगे। परिणाम देना होगा। फाइलों को चलना होगा। योजनाओं को धरातल पर उतरना होगा। शासन को जनता के दरवाजे तक पहुंचना होगा।

आयुष्मान : इलाज की चिंता से राहत
नई सरकार के महत्वपूर्ण निर्णयों मेंआयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजनाको पश्चिम बंगाल में लागू करना प्रमुख है। राज्य ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के साथ समझौता कर इस योजना से जुड़ने का निर्णय लिया। इससे पात्र परिवारों के लिए सालाना पांच लाख रुपये तक के अस्पताल उपचार का रास्ता खुला है। इसका महत्व केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है। इस योजना की बड़ी ताकत इसकी पोर्टेबिलिटी है। बंगाल का पात्र व्यक्ति देश के दूसरे हिस्से में भी सूचीबद्ध अस्पताल में इसका लाभ ले सकता है। रोजगार या अन्य कारणों से राज्य के बाहर रहने वाले बंगाल के लाखों परिवारों के लिए यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार के लिए गंभीर बीमारी केवल

स्वास्थ्य संकट नहीं होती, आर्थिक संकट भी बन जाती है। इसलिए यह फैसला केवल एक योजना लागू करने का नहीं है। यह आम परिवार कोस्वास्थ्य सुरक्षा और मानसिक भरोसा देने का फैसला है।

सीमा सुरक्षा पर स्पष्ट नीति

पश्चिम बंगाल की बांग्लादेश के साथ लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा है। इसलिए सीमा सुरक्षा यहां केवल एक प्रशासनिक विषय नहीं है। इसका सीधा संबंध राष्ट्रीय सुरक्षा, घुसपैठ, तस्करी, कानून-व्यवस्था और सीमावर्ती नागरिकों की सुरक्षा से है। नई सरकार ने शुरुआत से ही इस विषय पर अपनी प्राथमिकता स्पष्ट कर दी। पहली कैबिनेट बैठक में सीमा पर बाड़ लगाने के लिए बीएसएफ को आवश्यक लॉबित भूमि उपलब्ध कराने की दिशा में निर्णय लिया गया।

राष्ट्रीय सुरक्षा पर राजनीति नहीं होगी

केंद्र और राज्य मिलकर काम करेंगे। सुरक्षा एजेंसियों को सहयोग मिलेगा। सीमा सुरक्षित होगी तो गांव सुरक्षित होंगे। गांव सुरक्षित होंगे तो बंगाल सुरक्षित होगा।

टकराव नहीं, सहयोग

बंगाल ने लंबे समय तक केंद्र और राज्य के बीच राजनीतिक टकराव देखा है। इसका नुकसान अंततः जनता को ही उठाना पड़ता है। नई सरकार ने इस रिश्ते की भाषा बदलने का प्रयास किया है। राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हो सकते हैं। लोकतंत्र में होने भी चाहिए। लेकिन विकास के प्रश्न पर दिल्ली और कोलकाता प्रतिद्वंद्वी नहीं, साझेदार होने चाहिए। रेलवे हो। राष्ट्रीय राजमार्ग हो। बंदरगाह हो। जलमार्ग हो। औद्योगिक कॉरिडोर हो। सीमावर्ती क्षेत्रों का विकास हो या केंद्रीय कल्याणकारी योजनाएं बंगाल की गति केंद्र और राज्य के सहयोग से कई गुना बढ़ सकती है।

उद्योग को संदेश, बंगाल आइए
एक समय बंगाल भारत की 'द्योगिक शक्ति था। हुगली के किनारे कारखानों की कतार थी। जूट उद्योग था। जॉर्जियरिंग थी। कोलकाता देश के व्यापारिक केंद्रों में अग्रणी था। दुर्गापुर और आसनसोल औद्योगिक पंचवान रखते थे। हरिद्वया का अजना महत्व था। फिर धीरे-धीरे उद्योगों का पलायन शुरू हुआ। उद्योग गया तो रोजगार गया। पूंजी गई। प्रतिभा बाहर गई। सबसे बड़ा नुकसान बंगाल के युवाओं का हुआ। नई सरकार ने अपने शुरुआती दिनों में उद्योग जगत को एक स्पष्ट संदेश देने का प्रयास किया है। अब बंगाल उद्योग से संघर्ष नहीं करेगा। बंगाल उद्योग का स्वागत करेगा। निवेश केवल घोषणाओं से नहीं आता। निवेशक को भरोसा चाहिए। नीति में स्थिरता चाहिए। कानून-व्यवस्था चाहिए। जमीन और बिजली चाहिए। प्रशासनिक प्रक्रियाओं में सरलता चाहिए। बंगाल के पास आज भी अपार संभावनाएं हैं। बंदरगाह है। रेल नेटवर्क है।

मंशा गुप ने 100 फीट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज के ध्वजारोहण के साथ मनाया स्वतंत्रता दिवस

सोनीपत। मंशा गुप ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर द हैरिटेज बाय मंशा, सेक्टर 83 एवं 84, सोनीपत में देशभक्ति, कृतज्ञता, सामुदायिक सहभागिता और सामाजिक जिम्मेदारी से ओत-प्रोत एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथियों, समुदाय के सदस्यों और विभिन्न हितधारकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में श्री राजीव जैन, माननीय महापौर, सोनीपत मुख्य अतिथि के रूप में, डॉ. यशपाल यादव, आईएसएस, डिप्टी प्रिंसिपल सेक्टररी टू द चीफ मिनिस्टर ऑफ हरियाणा विशिष्ट अतिथि के रूप में तथा श्री बजरंग पुनिया, ओलंपिक पदक विजेता – फ्रीस्टाइल कुश्ती विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनकी गरिमावती उपस्थिति ने इस अवसर को और भी विशेष बना दिया। समारोह की शुरुआत 100 फीट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज के ध्वजारोहण के साथ हुई। आसमान में लहरता विशाल तिरंगा सभी उपस्थित लोगों के लिए गर्व और देशभक्ति का भावपूर्ण क्षण बना। यह राष्ट्रीय ध्वज देश की एकता, गौरव और स्वतंत्रता के मूल्यों का प्रतीक बना रहा। कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण भारतीय सशस्त्र बलों के पूर्व सैनिकों का सम्मान समारोह रहा। इनमें से कुछ पूर्व सैनिकों ने 1962, 1965 और 1971 के युद्धों में देश की सेवा की थी। इस पहल के माध्यम से राष्ट्र की सेवा में अपना जीवन समर्पित करने वाले वीर सैनिकों के योगदान और समर्पण को सम्मानित किया गया।



नरेला के हिंद अपार्टमेंट में सुरक्षा बलों का भव्य झंडारोहण, गूंजे राष्ट्रभक्ति के नारे

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में नरेला स्थित हिंद अपार्टमेंट में एक विशेष एवं भव्य देशभक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सीमा सुरक्षा बल, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और राष्ट्रीय राइफल्स/रेपिड एक्शन फोर्स के जवानों ने संयुक्त रूप से ध्वजारोहण किया और अपार्टमेंट परिसर में तिरंगा यात्रा निकाली। कार्यक्रम में सीआरपीएफ के अडिस्टेंट कमांडेंट अनिल कुमार चौरसिया और बीएसएफ कमांडेंट बलवीर सिंह मुख्य रूप से मौजूद रहे। उनके साथ सीआरपीएफ इंस्पेक्टर हरिकांत झा, इंस्पेक्टर अभिमुख कुमार, इंस्पेक्टर रामप्रकाश और इंस्पेक्टर मोहम्मद आजाद ने भी शिरकत की। राष्ट्रीय ध्वज को सम्मानपूर्वक फहराने के बाद सभी जवानों, अधिकारियों और स्थानीय नागरिकों ने हाथों में तिरंगा लेकर पूरे अपार्टमेंट परिसर में पदयात्रा की, जिससे पूरा क्षेत्र भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से गुंजायमान हो उठा। इस अवसर पर होलबी वॉर्ड की निगम पार्श्व श्रीमती नेहा मिश्रा भी विशेष रूप से उपस्थित रही।



ई-कॉमर्स और लॉजिस्टिक्स रहेंगे सबसे आगे
त्योहारी सीजन में गिग इकोनॉमी से पैदा होंगी 2.7 लाख नौकरियां



मेट्रो सिटी में प्रतिभा की कमी

रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल कार्यबल की मांग का लगभग 45 प्रतिशत हिस्सा लखनऊ, मुंबई, जयपुर और कोयंबटूर जैसे दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों से होगा, जिसे ई-कॉमर्स की बढ़ती पहुंच, संगठित खुदरा वृद्धि और इन बाजारों में बढ़ती खपत का समर्थन प्राप्त है। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद सहित पहली श्रेणी के शहरों में 30 प्रतिशत तक प्रतिभा की कमी देखी जा रही है।

वेतन में वृद्धि होने की उम्मीद

महानगरीय बाजारों में अस्थायी वेतन में 12-15 प्रतिशत और दूसरी तथा तीसरी श्रेणी के शहरों में 8-10 प्रतिशत की वृद्धि होने की भी उम्मीद है। नियोजता तेजी से ऐसे बहुभाषी उम्मीदवारों की तलाश कर रहे हैं, जो हिंदी, अंग्रेजी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मराठी बोल सकते हों, जो डिजिटल रूप से कुशल हों और बाहक-उन्मुख भूमिकाओं में सहज हों। भर्ती के इस मजबूत परिदृश्य के बावजूद, प्रतिभा की उपलब्धता एक चुनौती बनी हुई है, जहां लगभग 80 प्रतिशत नियोजता इस त्योहारी सत्र में अग्रिम पवित की ओर परिचालन भूमिकाओं में कमी का सामना कर रहे हैं।

पोर्टरों की अधिक वसूली पर उत्तर रेलवे की डिर्काय जांच का प्रहार

नई दिल्ली। यात्रियों को निर्धारित टैरिफ के अनुसार ही पोर्टर सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उत्तर रेलवे ने लाइसेंसधारी पोर्टरों के विरुद्ध ओवरक एवं डिर्काय जांच अभियान तेज कर दिया है। इस अभियान के माध्यम से स्पष्ट संदेश दिया गया है कि यात्रियों से किसी भी प्रकार की मनमानी अथवा निर्धारित दर से अधिक वसूली को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हाल के दिनों में कई दिल्ली, दिल्ली, हजरत निजामुद्दीन एवं आनंद विहार टर्मिनल पर की गई विशेष जांच के दौरान कई लाइसेंसधारी पोर्टर निर्धारित टैरिफ से काफी अधिक राशि मांगते एवं स्वीकार करते पाए गए। इस अभियान के दौरान कुल 13 पोर्टर मामलों का पता चला, जो निर्धारित दरों के अनुपालन और निरंतर निगरानी की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

शेयर बाजार में लगातार पांचवें दिन गिरावट

मुंबई (एजेंसी)। घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को गिरावट आई और दोनों मानक सूचकांक नुकसान में रहे। कच्चे तेल के दाम में तेजी और पश्चिम एशिया में तनाव जारी रहने के बीच बीएसई सेंसेक्स 281 अंक के नुकसान में रहा जबकि एनएसई निफ्टी में 78 अंक की गिरावट आई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 281.09 अंक यानी 0.36 प्रतिशत टूटकर 77,728.16 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 555.5 अंक की गिरावट के साथ 77,453.75 अंक तक आ गया था। इसी प्रकार, पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 78.35 अंक यानी 0.32 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,287.65 अंक पर बंद हुआ। इसके साथ ही निफ्टी में लगातार पाचवें दिन गिरावट का रिकार्ड बना जारी रहा। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में इन्फोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, सन फार्मा, टाटा कंस्ट्रक्टेसी सर्विसेज, टेक महिंद्रा और आईटीसी के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे। दूसरी तरफ, लाम में रहने वाले शेयरों में टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स शामिल हैं। वैश्विक तेल मानक बेंट क्रूड 1.11 प्रतिशत बढ़कर 89.50 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

कमजोर डॉलर से सोना 600 रुपये मजबूत, चांदी स्थिर

नई दिल्ली (भाषा)। राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोमवार को सोने की कीमतों में 600 रुपये की बढ़ोतरी हुई और यह 1,56,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर जा पहुंचा। कमजोर डॉलर और मजबूत वैश्विक रुख ने सराफा की मांग में नई जान फूंक दी। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत शुक्रवार को 1,56,200 प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। हालांकि, स्थानीय व्यापारियों के अनुसार, चांदी की कीमत लगातार दूसरे सत्र में 2,40,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टेक्स सहित) पर स्थिर रही। एचडीएफसी सिक्वीटीटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिस) सोमिल गांधी ने कहा, "सोमवार को सोने में तेजी आई। इसके कमजोर डॉलर और अमेरिकी अर्थिक आंकड़ों के कमजोर रहने के बाद फेडरल रिजर्व द्वारा सख्त मौद्रिक नीति अपनाने की

उम्मीदों में कमी का समर्थन मिला।" उन्होंने कहा कि पिछले सप्ताह अमेरिकी महंगाई के सामान्य आंकड़े, साथ ही रोजगार और खुदरा बिक्री के कमजोर आंकड़ों ने मौद्रिक नीति को और सख्त करने की उम्मीदों को कम कर दिया और डॉलर पर दबाव बनाए रखा, जिससे कीमती धातुओं की मांग में सुधार हुआ। यह सुधार अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी देखा गया, जहां हाजिर सोना 0.48 प्रतिशत बढ़कर 4,397.59 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। चांदी एक प्रतिशत से ज्यादा बढ़कर 65.58 डॉलर प्रति औंस हो गई। हाजिर सोना 0.5 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,398 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था और डॉलर की कमजोरी और तेल की कीमतों के सीमित रहने के कारण इसके सकारात्मक बने रहने की उम्मीद है।"

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 देखिए)

मेरे साम्ना परिवारद किया गया है कि अभियुक्त फराज पुत्र शिराज खान निवासी एल-17B, सुंदर नगरी, नंद नगरी, उत्तर पूर्व, दिल्ली ने एफआईआर-संख्या 751/2014 धारा 323/341/506/34 भा.द. स. के तहत थाना: नंद नगरी, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त फराज मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त फराज फार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि एफआईआर संख्या 751/2014 धारा 323/341/506/34 भा.द.स. के तहत थाना नंद नगरी, दिल्ली के उक्त फराज से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के सम्मक्ष (या मेरे सम्मक्ष) उक्त परिवारद का उत्तर देने के लिए दिनांक 24.10.2026 आदेशनुसार अमय घोषरी न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-09 कोर्ट कमरा नं.20, प्रथम तल, शाहदरा कड़कड़खूसा कोर्ट, दिल्ली

DP/11325/NE/2026

शब्द पहली - 6320

1	2		3		4	5	6	7
		8			9			
10	11						12	
			13		14		15	
16							17	
	18				19			
20		21			22		23	24
				25	26		27	
28								29
		31	32			33		34
35							36	

बाएँसेदाए-

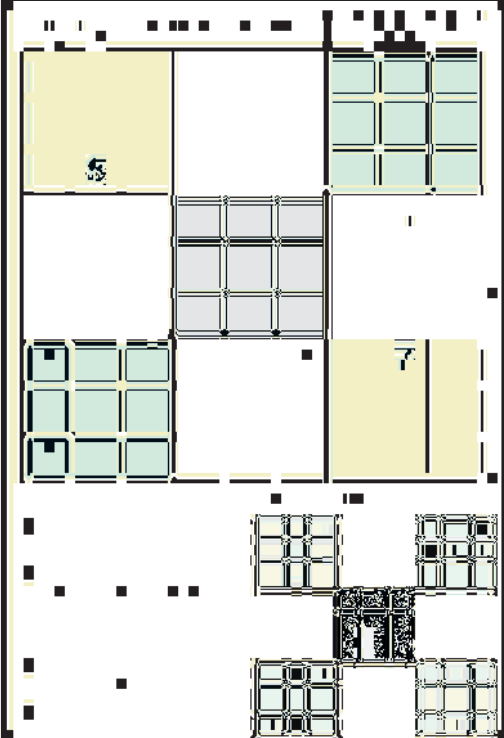
- 1.द्रष,झगड़ा,रार-3
- 4.बुरकापोशा-5
- 8.गागर,घड़ा-3
- 9.प्याऊ (उर्दू-3)
- 10.पैंदा,तला-2
- 12.बरस,वर्ष-2
- 13.सतत,लगातार-5
- 16.मजार,समाधि-4
- 17.उदारता,बड़पन्न-4
- 18.वायदा,कसम-2
- 19.महीना,माह-2
- 20.हमसफर-4
- 23.आदेश,आज्ञा-4
- 25.कहानी लेखक-5
- 28.गधा,गर्दभ-2
- 29.श्रवणेंद्रिय-2
- 31.बारिश,वर्षा-3
- 33.देवर्षि-3
- 35.दया करना-3,2
- 36.चितन

ऊपर से नीचे

- 1.कुपुत्र-3
- 2.अधिकार-2
- 3.सलाह,राय-4
- 4.अफसोस,खेद-4
- 5.शीतकालीन फसल-2
- 6.दलहन-2
- 7.उंडा,सर्द-3
- 11.जिज्ञासा,उत्साह-3
- 12.बारिश का मौसम-3
- 13.धारावाही,अविराम,सौरियल-5
- 14.रीत,परंपरा-2
- 15.जीवनसाथी,हमराही-5
- 21.मोर-3
- 22.जल,नौर-2
- 24.पीहर-3
- 26.गजशाला,हाथी घर-4
- 27.करतब,करामात-4

शब्द पहली -6319 का हल

म	न	मो	ह	न	र	ब	न	हो	न
म	न	म	क	र	त	ल	न	का	
मो	ह		म	नि	ज		क	म	
ह	म	आ	स	ल	ग	न	मा	या	
क	ल	र	व	क्ष	म	त	ल	ब	
			भ	ल	जो	र			
ज	ग	म	ग	मी	ख	वा	ख	च	
न	त	न	म	न	मा	न	र	म	
न	त		ह	ल		ल	क		
न	म	न	न	ख	नि	श	द		
र	म	नी	य	त	न	द	क	का	र





कोको गॉफ ने दर्ज की सीजन की 10वीं जीत

सिनसिनाटी। चौथी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी कोको गॉफ ने सिनसिनाटी ओपन के तीसरे राउंड में अपनी जगह बना ली है। उन्होंने एक सेट हारने के बाद शानदार वापसी करते हुए ल्यूडमिला सैमसोनोवा को 2-6, 6-4, 6-1 से हराया। यह इस सीजन में उनकी 10वीं ऐसी जीत थी, जिसमें उन्होंने एक सेट हारने के बाद वापसी करते हुए तीन सेटों में जीत हासिल की है। इसके साथ ही उन्होंने 2026 में टूर पर ऐसी सबसे ज्यादा जीत के मामले में अपनी ही देश की खिलाड़ी जेसिका पेगुला की बराबरी कर ली। सैमसोनोवा के पहला सेट 6-2 से जीतने के बाद गॉफ ने दूसरे सेट के 10वें गेम में एक अहम ब्रेक हासिल किया और मैच को निर्णायक सेट तक ले गईं। कोको ने तीसरे सेट में दबदबा बनाए रखा और आखिरी पांच गेम जीतकर 2 घंटे 6 मिनट तक चले मुकाबले में शानदार जीत दर्ज की। यह जीत 2026 में हार्ड कोर्ट पर गॉफ की 20वीं जीत है।



1 घंटे 52 मिनट में जीती सबालेंका

दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी आर्याना सबालेंका ने मौसम को वजह से हुई थकान से जूझते हुए 1 घंटे 52 मिनट में 6-2, 7-6 (2) से जीत हासिल की और तीसरे राउंड में जगह बनाई। यह टूर लेवल पर उनकी लगातार 24वीं ओपनिंग मैच जीत रही। सबालेंका का अगला मुकाबला डब्ल्यूटीए स्तर पर दूसरी बार वांग जिन्यू से होगा। हेड-टू-हेड हैं। सबालेंका और वांग जिन्यू की एकमात्र मिश्रित ऑस्ट्रेलियन ओपन 2022 में हुई थी, जहां सबालेंका ने एक सेट हारने के बाद वापसी करते हुए तीन सेटों में जीत हासिल की थी।



इगा की टूर्नामेंट में लगातार सातवीं जीत

इगा स्वियातेक ने लंडनर फैमिली टेनिस सेंटर में कोलंबिया की एमिलियाना अरगो को 6-3, 6-0 से हरकर सिनसिनाटी ओपन में लगातार सातवीं जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही स्वियातेक ने इस सीजन में डब्ल्यूटीए टूर पर अपना 30वां गेम-ड्रॉ मैच जीता। अब उन्होंने अपने करियर में डब्ल्यूटीए 1000 लेवल पर 41 बार 6-0 से सेट जीते हैं। 1990 के बाद से सिर्फ मार्टिना हिगिंस (52) और सेरेना विलियम्स (50) ने ही उनसे ज्यादा बार ऐसा किया है।

खबर संक्षेप



एलईटी रैंकिंग में एक स्थान नीचे खिसकी दीक्षा नई दिल्ली। भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर इस सप्ताह वीपी बैक स्प्रिंग लेडीज ओपन में कट से चूकने के बाद एलईटी ऑर्डर ऑफ मरिट में शीर्ष 10 से बाहर हो गईं। एक समय शीर्ष छह में जगह बनाने वाली दीक्षा इस सप्ताह के शुरू में दसवें नंबर पर थी लेकिन अब वह 11वें स्थान पर खिसक गई हैं। भारत की अन्य खिलाड़ियों में प्रणवी उर्स 46वें, अवनी प्रशांत 53वें, अदिति अशोक 55वें, हिताशी बख्शी 133वें, त्वेसा मलिक 117वें और वाणी कपूर 181वें स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका की कैसेड्रा अलेक्जेंडर 1,899.98 अंकों के साथ शीर्ष पर बनी हुई हैं।

डब्ल्यूसीएल खेलेंगे वार्नर डिविलियर्स और युवराज



नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर, युवराज सिंह, डूवेन ब्रावो और एबी डिविलियर्स जैसे दिग्गज खिलाड़ी 3 अक्टूबर से शुरू होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) के तीसरे सत्र में खेलेंगे। यह टूर्नामेंट 3 से 18 अक्टूबर तक खेला जाएगा, हालांकि अभी तक आयोजन स्थल की घोषणा नहीं की गई है। डब्ल्यूसीएल के पहले सत्र में इंडियन चैंपियन ने पाकिस्तान चैंपियन को हराया था। दूसरे सत्र में साउथ अफ्रीका चैंपियन ने पाकिस्तान चैंपियन को हराकर खिताब जीता था। आयोजकों ने कहा, "डब्ल्यूसीएल के तीसरे सत्र में कुछ बड़े खिलाड़ियों के शामिल होने की उम्मीद है। इन खिलाड़ियों में युवराज सिंह, एबी डिविलियर्स, डूवेन ब्रावो, शाहिद अफरीदी, मोईन अली, डेविड वार्नर और महमदुल्लाह रियाद भी शामिल हैं।"

आयरलैंड के खिलाफ चालीं को इंग्लैंड टीम की कमान



लंदन। सितंबर में आयरलैंड के खिलाफ तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज के लिए चालीं डीन को इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम की कमान सौंपी गई है। न्यूजीलैंड के विरुद्ध हालिया सीरीज में टीम की कमान संभालने के बाद, ऑलराउंडर को एक बार फिर यह जिम्मा संभालने का मौका मिला है। दोनों देशों के बीच वनडे सीरीज का पहला मैच 1 सितंबर को लीसेस्टर में खेला जाएगा, जिसके बाद सीरीज का दूसरा मैच 3 सितंबर को डर्बी में होगा। 6 सितंबर को वॉरेस्टर में खेले जाने वाले मुकाबले के साथ इस सीरीज का समापन होगा।

पहला टेस्ट : सुथार ने 76 रन देकर 4 और जडेजा ने 57 रन देकर झटके 3 विकेट

श्रीलंका 284 रन पर ढेर, भारत के पास मजबूत बढ़त, सुथार और जडेजा ने चटकाए सात विकेट

एजेंसी ►► गॉल

सोनल दिनुशा की शानदार शतकीय पारी ने भारतीय गेंदबाजों को थोड़ा संघर्ष करने पर मजबूर किया लेकिन मानव सुथार की अगुवाई में गेंदबाजी इकाई ने श्रीलंका को पहली पारी में 284 रन पर समेटकर दो मैचों की श्रृंखला के पहले टेस्ट के तीसरे दिन सोमवार को भारत को 178 रन की मजबूत बढ़त दिला दी। वामहस्त स्पिनर सुथार ने 76 रन देकर 4 और अनुभवी रविंद्र जडेजा ने 57 रन देकर 3 विकेट झटके।

सुथार ने किया श्रीलंका के शीर्ष क्रम को परेशान

भारत की धारदार गेंदबाजी के सामने श्रीलंका एक समय लंच से पहले 90 रन पर पांच विकेट गंवा कर बेहद मुश्किल में था। सुथार ने शुरुआती सत्र में श्रीलंका के शीर्ष क्रम को परेशान किया और उस समय मेजबान टीम के जल्दी सिमटने के आसार नजर आ रहे थे लेकिन अपना चौथा टेस्ट खेल रहे दिनुशा ने इस प्रारूप में पहला अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ते हुए 168 गेंदों पर 100 रन की जुझारू पारी खेली। उन्हें टीम में लंबे समय के बाद वापसी कर रहे अनुभवी निरोशन डिकवेला (80 रन, 115 गेंद) का अच्छा साथ मिला। दोनों ने छठे विकेट के लिए 216 गेंदों में 146 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की और भारतीय गेंदबाजों को लंबे समय तक सफलता से दूर रखा। इस जोड़ी ने दूसरे सत्र में बिना कोई विकेट गंवाए 116 रन जोड़े।



डिकवेला और दिनुशा ने दिखाया संयम

शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के विपरीत डिकवेला और दिनुशा ने जल्दबाजी नहीं की और बल्लेबाजी के लिए अनुकूल पिव पर शॉट चयन में खासा संयम दिखाया। भारतीय स्पिनरों के खिलाफ दोनों ने स्वीप शॉट का प्रभावी इस्तेमाल किया और स्टंप को लाइन में आने वाली गेंदों को सहजता से बाउंड्री के पार भेजा। स्थानीय क्रिकेट हलकों में अपने चयन को लेकर विवादों में रहे डिकवेला ने 67 गेंदों में आंशिकतः पूरा किया। सुथार की गेंद पर 20 रन के निजी स्कोर पर केएल राहुल द्वारा रिलप में जीवनदान पाने वाले इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने अंतिम सत्र में एकाग्रता बना दी। प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर उनके बल्ले का किनारा लगा और त्रुषण पत ने विकेट के पीछे केवल लपक लिया।

क्रिकेट

मैनचेस्टर सुपर ने पहली बार जीता ‘द हंड्रेड’ का खिताब



एजेंसी ►► नई दिल्ली

मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 'द हंड्रेड' का खिताब पहली बार अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में मैनचेस्टर ने टेंट रॉकेट्स को 5 विकेट से हराया।

टेंट रॉकेट्स से मिले 159 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मैनचेस्टर सुपर जायंट्स की शुरुआत दमदार रही। पहले विकेट के लिए टिम सोफर्ट और पॉल वाल्टर ने मिलकर 66 रन जोड़े। वाल्टर 14 गेंदों का सामना करने के बाद 22 रन बनाकर आउट हुए।

सीफर्ट को चुना गया 'प्लेयर ऑफ द मैच'

सीफर्ट को उनकी पारी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। गेंदबाजी में टेंट रॉकेट्स की तरफ से मोहम्मद आकिम ने 29 रन देकर 3 विकेट चटकाए। इससे पहले, टेंट रॉकेट्स की ओर से पारी का आगाज करते उतरी बेन डकेट और फिन एलन की सलामी जोड़ी ने 48 रन जोड़े। एलन 15 रन बनाकर आउट हुए, जबकि डकेट ने 24 गेंदों में 31 रनों का योगदान दिया। एनेजेरिन डोनाल्ड ने सिर्फ 19 गेंदों का सामना करते हुए 38 रनों की दमदार पारी खेली। सैम बिलिंग्स 4 रन ही बना सके, जबकि टिम डेविड बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। मिचेल सैंटरन 20 रन बनाकर नाबाद रहे।

वहीं, नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने उतरे कप्तान जोस बटलर ने 14 गेंदों में 3 छक्कों की मदद से 23 रन बनाए। हेनरिक क्लासेन ने 11 रनों का योगदान दिया, जबकि माइकल ब्रेसवेल बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। हालांकि, सीफर्ट एक छोर को संभालकर खड़े रहे और उन्होंने ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए महज 38 गेंदों पर 72 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान सीफर्ट ने 4 चौके और 7 छक्के लगाए। उनकी इस शानदार पारी के दम पर मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने लक्ष्य को 2 गेंद शेष रहते हुए ही हासिल कर लिया।

वर्ल्ड पैरा आर्चरी सीरीज में रोहतक के नवीन दलाल का चयन हुआ



रोहतक। जिले के प्रतिभाशाली पैरा तीरंदाज नवीन दलाल का आगामी वर्ल्ड पैरा आर्चरी सीरीज 2026 के लिए भारतीय टीम में चयन रोहतक और हरियाणा के लिए संघ द्वारा जारी चयन प्रमाण-पत्र के अनुसार, उनका चयन डब्ल्यू एक मेन वर्ग में किया गया है। नवीन दलाल का चयन भारतीय पैरा तीरंदाजी टीम के लिए आयोजित चयन ट्रायल में उनके शानदार प्रदर्शन के आधार पर हुआ है। ये चयन ट्रायल भारतीय खेल प्राधिकरण सोनीपत में आयोजित किए गए थे। अब नवीन दलाल आगामी 3 से 10 सितंबर 2026 तक अहमदाबाद, गुजरात में आयोजित होने वाली वर्ल्ड पैरा आर्चरी सीरीज में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। नवीन दलाल का भारतीय टीम में चयन रोहतक और हरियाणा के लिए गौरव का विषय है। नवीन दलाल ने ट्रायल में प्रदर्शन करते हुए चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। नवीन दलाल ने पिछले कुछ वर्षों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने प्रदर्शन से यह सिद्ध किया है कि वह भारत के अग्रणी पैरा तीरंदाजों में एक हैं। नेशनल पैरा चैंपियनशिप में दो रजत पदक जीते। 2023 में एशियन गेम्स में कांस्य पदक जीता। 2023 में पैरा एशियन चैंपियनशिप में रजत पदक जीता। 2024 में एशियन चैंपियनशिप में रजत पदक जीता। नवीन दलाल रोहतक की तहसील कार्यालय में पटवारी के पद पर कार्यरत हैं।



यह मेरे फुटबॉल कैरियर का अंतिम साल : रोनाल्डो

एजेंसी ►► रियाद

दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने कहा है कि सऊदी प्रो लीग का यह सत्र संभवतः उनके पेशेवर करियर का आखिरी सत्र होगा। इस 41 वर्षीय खिलाड़ी का सऊदी अरब के क्लब अल नासर के साथ अनुबंध अगले साल जून में समाप्त हो रहा है और उन्होंने वॉग पत्रिका को बताया है कि एक और अनुबंध की संभावना नहीं है। रोनाल्डो ने कहा, 'शायद यह फुटबॉल में मेरा आखिरी साल है। मैं

एक शानदार विरासत छोड़ना चाहता हूं।' अपने करियर में अब तक 976 गोल करने वाले रोनाल्डो ने इसी महिने की शुरुआत में अपनी लंबे समय की साथी जॉर्जिना रोड्रिगेज से शादी की। उन्होंने कहा, 'मैंने अपने भविष्य की पूरी योजना बना ली है। मेरे पास खुद को व्यस्त रखने के लिए इतनी सारी चीजें हैं कि सिर्फ एक चीज बताना मुश्किल है। फुटबॉल छोड़ने से बड़ा खालीपन आ सकता है, इसलिए आपको उसकी भरपाई एक तरीके से नहीं बल्कि कई तरीकों से करनी होगी।'

सिंकफील्ड कप : 3.5 अंकों के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर कायम

प्रज्ञानानंद का मास्टरस्ट्रोक, अरोनियन को ड्रॉ पर रोका

एजेंसी ►► सेंट लुइस

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने 'ग्रैंड चेस (शतरंज) ट्रूर' के तहत खेले जा रहे सिंकफील्ड कप के छठे दौर में अमेरिका के ग्रैंडमास्टर लेवोन अरोनियन के खिलाफ बाजी ड्रॉ खेली। इस परिणाम के साथ प्रज्ञानानंद 3.5 अंकों के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। टूर्नामेंट में अब केवल तीन दौर बाकी हैं। अमेरिका के वेस्ली सो चार अंकों के साथ शीर्ष पर हैं। 4,75,000 डॉलर की पुरस्कार राशि वाले इस टूर्नामेंट में पांच मुकाबलों में से केवल एक का नतीजा निकला। सो ने फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के साथ अंक बांटे।



पांचवें स्थान पर कारुआना, सैमुअल्स

प्रज्ञानानंद के अलावा वाचियर-लाग्रेव और जर्मनी के विन्सेंट कोमर भी 3.5 अंकों के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं। अमेरिका के फैबियानो कारुआना, सेवियन सैमुअल्स और अरोनियन तीन-तीन अंकों के साथ संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर हैं। नौदरलैंड के अनोश गिरी और विश्व चैंपियनशिप के दवेदार उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव तालिका में इसके बाद हैं, जबकि नौदरलैंड के जोरेडन वान फोरेस्ट एक अंक के साथ सबसे निचले स्थान पर हैं। अरोनियन के खिलाफ प्रज्ञानानंद ने स्थिति को पेचीदा बनाने की भरपूर कोशिश की, लेकिन अर्मेनिया के पूर्व खिलाड़ी ने शानदार बचाव किया। दिन की एकमात्र निर्णायक बाजी अनोश ने जीती। उन्होंने हमवतन वान फोरेस्ट के खिलाफ जीत हासिल की।

गुकेश में दिख रही आत्मविश्वास की कमी : निहाल सरीन

पेरिस। भारतीय बैडमास्टर निहाल सरीन का मानना है कि विश्व चैंपियन डी गुकेश की खराब फॉर्म कोशल की वजह से नहीं बल्कि आत्मविश्वास की कमी के कारण है। उन्हें उम्मीद है कि स्मरकंद में होने वाले शतरंज ओलंपियाड में अच्छा प्रदर्शन करते वह विश्व चैंपियनशिप से पहले अपना आत्मविश्वास हासिल कर लेंगे। गुकेश 2024 में विश्व चैंपियन बनने के बाद अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। इस साल नॉर्वे शतरंज और चेन्नई वैंड मास्टर्स दोनों में अंतिम स्थान पर रहते तथा टाटा स्टील मास्टर्स और प्राग मास्टर्स में भी खराब प्रदर्शन के कारण उनकी रेटिंग में गिरावट आई है। सरीन ने कहा, 'उन्हें बस अपना आत्मविश्वास वापस हासिल करने की जरूरत है। मुझे पूरी उम्मीद है कि वह ओलंपियाड में बहुत अच्छा प्रदर्शन करेंगे।'

Dr. Juneja's®

पेट सफा

Natural Laxative Granules & Tablets

यदि आप कब्ज, गैस और एसिडिटी से परेशान हैं तो आज ही लीजिए 'पेट सफा' आयुर्वेदिक ग्रेन्यूल्स/टेबलेट्स। पेट सफा पहली रात से असर दिखाता है, और इसकी आदत भी नहीं पड़ती।

20% EXTRA

पेट सफा

20% EXTRA

TABLETS

कब्ज

गैस

एसिडिटी

पेट सफा..... तो हर रोग दफा

Divisa

24x7 Helpline: 011-27 03886

www.petisafa.com

अमित शाह ने कहा, पीएम मोदी के नेतृत्व में आतंकी नेटवर्क ध्वस्त

कुख्यात शहजाद भट्टी 'नेटवर्क' के 200 से अधिक कानून के हथ्थे चढ़े

हरिभूमि ब्यूरो

नई दिल्ली

स्वतंत्रता दिवस से पहले देश में आतंकी साजिश को नाकाम करते हुए सुरक्षा एजेंसियों ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई समर्थित शहजाद भट्टी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने इस आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया है। विभिन्न राज्यों में समन्वित अभियान चलाकर 200 से अधिक संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया और आतंकी साजिशों को नाकाम किया गया।

गृह मंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि सुरक्षा बलों ने 14 राज्यों में एक साथ कार्रवाई कर इस नेटवर्क को कमर तोड़ दी। यह कार्रवाई आतंकवाद के प्रति सरकार की 'जिरो टॉलरेंस' नीति का एक शानदार उदाहरण है।

आईडी, ग्रेनेड और हथियार बरामद

कार्रवाई के दौरान सुरक्षा एजेंसियों ने बड़ी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री बरामद की। इनमें आईईडी, पाकिस्तान ऑर्डनंस फैक्ट्री के निशान वाले ग्रेनेड, पिस्तौल, जिंदा कारतूस और निगरानी के लिए इस्तेमाल किए जा रहे सीसीटीवी कैमरे शामिल हैं। जांच में सामने आया है कि नेटवर्क स्थानीय स्तर पर अपने सहयोगियों को पुलिस, रक्षा प्रतिष्ठानों और धार्मिक स्थलों की रेकी करने के लिए धन मुहैया कराता था। इसके अलावा संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाकर जासूसी की गतिविधियों को भी अंजाम दिया जा रहा था।

कई आतंकी घटनाओं से जुड़ा नेटवर्क

जांच एजेंसियों के अनुसार, पाकिस्तान स्थित और आईएसआई समर्थित शहजाद भट्टी नेटवर्क का संबंध देश के विभिन्न हिस्सों में ग्रेनेड, आईईडी और पेट्रोल बम हमलों तथा लक्षित हत्याओं से रहा है। इस नेटवर्क के खिलाफ अब तक 80 से अधिक एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं और 200 से ज्यादा गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। सुरक्षा एजेंसियां नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों, इसके वित्तीय स्रोतों और स्थानीय मददगारों की भूमिका की भी जांच कर रही हैं। अधिकारियों के मुताबिक, स्वतंत्रता दिवस से पहले की गई इस कार्रवाई ने नेटवर्क की संगठित विध्वंसकारी योजनाओं को बड़ा झटका दिया है।

परियोजना के लिए 400 करोड़ रुपये का कैपेटलिटिक फंड निर्धारित

एजेंसी

तिरुअनंतपुरम

केरल का विज़िंजम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह, जो कि भारत का पहला गहरे पानी का कंटेनर ट्रांसशिपमेंट पोर्ट है, आज मंगलवार से एक नए दौर में प्रवेश करने जा रहा है। बंदरगाह पर पूर्ण स्तर के निर्यात-आयात (इंजिजम) संचालन औपचारिक रूप से शुरू होंगे, जिसे केरल की अर्थव्यवस्था और राज्य को एक प्रमुख लॉजिस्टिक्स तथा विनिर्माण केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री वीडी. सतीशन सुबह 10:45 बजे पहले निर्यात कंटेनर को रवाना करेंगे। कार्यक्रम के केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। अब तक मुख्य रूप से ट्रांसशिपमेंट हब के रूप में विकसित किए गए विज़िंजम पोर्ट का यह बदलाव उसे एक पूर्ण वाणिज्यिक व्यापार द्वार में बदल देगा इस योजना के तहत व्यापक विज़िंजम मैरीटाइम इकोनॉमिक रीजन विकसित किया जाएगा, जिसमें 8 औद्योगिक क्लस्टर, 3 नए शहर और केरल की 600 किलोमीटर लंबी तटीय रेखा को आर्थिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में जोड़ा जाएगा। परियोजना के लिए 400 करोड़ का कैपेटलिटिक फंड निर्धारित है। यह राशि बंदरगाह एवं कनेक्टिविटी, लॉजिस्टिक्स विकास, औद्योगिक क्लस्टर, नए शहरों के विकास, कार्यक्रम प्रबंधन और क्षमता निर्माण से जुड़ी 14 उप-योजनाओं पर खर्च की जाएगी।

विज़िंजम पोर्ट से खुलेगा केरल के वैश्विक व्यापार का नया द्वार

एजेंसी

जम्मू

पहलगाम की बैसारन घाटी अपनी सुंदरता के लिए दुनियाभर में फेमस है। यहां 2025 में आतंकी हमला भी हुआ था, जिसमें 26 लोगों की मौत हो गई थी। एक बार फिर इस घाटी से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। बैसारन इलाके, जिसे अक्सर इस क्षेत्र का मिनी स्विट्जरलैंड कहा जाता है को नया रूप दिया जा रहा है। इस खूबसूरत टूरिस्ट स्पॉट तक पहुंचने के लिए अब एक मोटर-योग्य सड़क बनाई जा रही है। 6.09 करोड़ की अनुमानित लागत वाली इस परियोजना की आधारशिला पहलगाम के विधायक अलताफ अहमद वाली ने रखी। बैसारन पहलगाम से लगभग 4 किलोमीटर दूर स्थित है; नई सड़क इसे सर्किट रोड से जोड़ेगी। इस परियोजना को नाबाई की फंडिंग से सड़क और भवन विभाग, पहलगाम द्वारा पूरा किया जाएगा। अधिकारियों का अनुमान है कि काम पूरा होने में दो से तीन साल लगेंगे। अभी, पर्यटकों को इस घास के मैदान तक पहुंचने के लिए या तो ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर लगभग 4 किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है या टट्टू लेने पड़ते हैं।

दूसरे विश्व युद्ध के बाद यूके में पहले सिख फाइटर पायलट बने अर्शदीप

एजेंसी

लंदन

भारतीय मूल के फ्लाइट लेफ्टिनेंट अर्शदीप सिंह डांग ब्रिटेन की रॉयल एयर फोर्स (आरएएफ) में फाइटर पायलट के रूप में प्रशिक्षण (ट्रेनिंग) पूरा करने वाले पहले सिख बन गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, आरएएफ ने बताया कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यह पहली बार है, जब किसी सिख ने फाइटर स्क्वाड्रन से पायलट की विंग्स हासिल की हैं। अर्शदीप सिंह डांग (28) ने शुक्रवार 14 अगस्त को उत्तर वेल्स गगनदीप कौर अमृतसर की रहने वाली हैं। उनका परिवार इंग्लैंड के साउथॉल में रहता है। डांग ने बताया कि उनके दादा सरदार संतोष सिंह डांग का सपना था कि उनका बेटा पायलट बने। लेकिन जब उनके पिता छह साल के थे, तब दादा की मौत हो गई। उन्होंने कहा, मेरे दादा सरदार संतोष सिंह डांग का सपना था कि मेरे पिता पायलट बनें। लेकिन जब उनके पिता छह साल के थे, तब दादा की मौत हो गई। उन्होंने कहा, मेरे दादा सरदार संतोष सिंह डांग का सपना था कि मेरे पिता पायलट बनें।

डांग का जन्म 1998 में चंडीगढ़ में हुआ था

बताया कि अर्शदीप सिंह डांग ब्रिटेन की सैन्य पायलट ट्रेनिंग के तहत चौथे उड़ान प्रशिक्षण स्कूल में टेक्सन विमान उड़ाने की ट्रेनिंग पूरी करने वाले पहले सिख हैं। हालांकि, उनसे पहले भी सिख लोग शुरुआती पायलट ट्रेनिंग पूरी कर चुके हैं। डांग का जन्म 1998 में चंडीगढ़ में हुआ था। जब वह छह साल के थे, तब वह अपने परिवार के साथ ब्रिटेन चले गए। उनके पिता जगदीप सिंह डांग लुधियाना के रहने वाले हैं, जबकि उनकी मां मगनदीप कौर अमृतसर की रहने वाली हैं। उनका परिवार इंग्लैंड के साउथॉल में रहता है। डांग ने बताया कि उनके दादा सरदार संतोष सिंह डांग का सपना था कि उनका बेटा पायलट बने। लेकिन जब उनके पिता छह साल के थे, तब दादा की मौत हो गई। उन्होंने कहा, मेरे दादा सरदार संतोष सिंह डांग का सपना था कि मेरे पिता पायलट बनें। लेकिन जब उनके पिता छह साल के थे, तब दादा की मौत हो गई। उन्होंने कहा, मेरे दादा सरदार संतोष सिंह डांग का सपना था कि मेरे पिता पायलट बनें।

इस बार 18 से 31 अगस्त तक होगा यह युद्धाभ्यास, 15 वां संस्करण होगा

मैत्री युद्धाभ्यास में भाग लेने थाईलैंड रवाना हुई भारतीय सेना की टुकड़ी

हरिभूमि ब्यूरो

नई दिल्ली

क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चुनौतीपूर्ण बने हुए सुरक्षा परिदृश्य के बीच मैत्री युद्धाभ्यास में भाग लेने के लिए भारत की थलसेना की एक टुकड़ी सोमवार को थाईलैंड रवाना हो गई है। जिसका नेतृत्व 9 गोरखा राइफल्स के सैनिक कर रहे हैं। यह एक द्विपक्षीय युद्धाभ्यास है। जिसका इस वर्ष 15 वां संस्करण आयोजित किया जा रहा है। पिछले साल 2025 में इसका आयोजन भारत के पूर्वोत्तर स्थित मेघालय राज्य के उमरोई प्रशिक्षण केंद्र में किया गया था। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि मैत्री युद्धाभ्यास 18 से 31 अगस्त तक थाईलैंड के सूरत थानी स्थित विभावादी रंगसिट कैंप में होगा। यहां बता दें कि इस युद्धाभ्यास की शुरुआत वर्ष 2006 में हुई थी। जिसके बाद से दोनों देश आपस्परिक रूप से इसका आयोजन कर रहे हैं।

युद्धाभ्यास में यूएन सिद्धांत का अर्थ

मैत्री युद्धाभ्यास में यूएन सिद्धांत के तहत जंगली, शहरी वातावरण में उन्नावद और आतंकवाद से मुकाबला करने के लिए संयुक्त अभियानों में भाग लेने से दोनों देशों की सैन्य क्षमताओं में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। प्रशिक्षण में क्षेत्र अभ्यास, युद्ध से जुड़ा संवाद, व्याख्यान, प्रदर्शन और समायोजन सत्यापन अभ्यास भी किया जाएगा। इसके अलावा सैन्य टुकड़ियां अपने-अपने परिचालन अनुभवों का भी आदान प्रदान करेंगी। युद्धाभ्यास में प्रयोग किए जाने वाले सैन्य उपकरणों, प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन भारत और थाईलैंड की सेनाएं करेंगी।

दोनों सेनाओं को होता यह लाभ

मैत्री युद्धाभ्यास भारत और थाईलैंड के मध्य सैन्य सहयोग को बढ़े पैमाने पर सशक्त बनाने, बेहतरीन सैन्य कार्यप्रणालियों को आपस में साझा करने का एक महत्वपूर्ण मंच है। साथ ही यह दोनों के बीच अंतर-संचालन, आपसी समझ और सद्भावना को भी बढ़ावा देता है। जिससे कहीं न कहीं दोनों देशों के दीर्घकालिक संबंधों को और अधिक मजबूती मिलती है।

नेपाल की सेना के मानद प्रमुख बने भारत के सेनाप्रमुख जनरल सेठ काठमांडू में राष्ट्रपति भवन में आयोजित किया गया विशेष समारोह, राष्ट्रपति पौडेल ने प्रदान की उपाधि

हरिभूमि ब्यूरो

नई दिल्ली

सीमा संबंधी मामलों को लेकर जारी तलखी के दौर में नेपाल से भारत के लिए एक खुशखबरी आई है। जिसमें यह पता चला है कि सेनाप्रमुख जनरल धीरज सेठ को नेपाल की सेना के मानद प्रमुख की उपाधि से सम्मानित किया गया है। काठमांडू स्थित राष्ट्रपति भवन में सोमवार को आयोजित किए गए एक विशेष अलंकरण समारोह में नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने भारतीय सेनाप्रमुख को इस उपाधि से नवाजा। सेना द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, जनरल सेठ 17 से 19 अगस्त तक नेपाल की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। जिसके बीच उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया है। सेना ने इस संबंध में एक्स पर एक पोस्ट भी साझा की है। जिसमें बताया कि जनरल सेठ को दिया गया यह सम्मान दोनों सेनाओं के बीच मित्रता, सहयोग को और अधिक सुदृढ़ करेगा। साथ ही दशकों पुरानी भारत-नेपाल रक्षा साझेदारी को भी मजबूती प्रदान करेगा।

1950 से चली आ रही द्विपक्षीय परंपरा

दरअसल यह कोई नई बात नहीं है। जिसके तहत नेपाल ने भारत के सेनाप्रमुख को मानद सेनाप्रमुख की यह रैंक प्रदान की है। वर्ष 1950 में दोनों देशों के बीच भारत-नेपाल शांति और मैत्री संधि के माध्यम से एक अनेखी द्विपक्षीय परंपरा की शुरुआत की गई थी। जिसके तहत दोनों देश समय-समय पर एक-दूसरे के सेनाप्रमुखों को अपने मानद प्रमुख के सम्मान से सम्मानित करते हैं। 1947 में मिली आजादी के बाद भारत के पहले सेनाप्रमुख बने जनरल के.एम करियप्पा को नेपाल द्वारा सबसे पहले अपने मानद प्रमुख की इस उपाधि से नवाजा गया था। इसके बाद नेपाल के तत्कालीन सेनाप्रमुख जनरल सर किरण शमशेर जंग बहादुर राणा को भारत ने अपने सेनाप्रमुख के मानद रैंक प्रदान किया था।

मानद सेनाप्रमुख के असल मायने

गौरतलब है कि यह संधि दोनों देशों के बीच आपसी सौहार्द और गहरे सैन्य संबंधों का प्रतीक है। इसके जरिए भारत और नेपाल के मध्य स्थायी शांति, आत्मीय संबंध और रणनीतिक सुरक्षा सहयोग का दांचा तैयार किया गया है। वहीं, मानद सेनाप्रमुख की रैंक की बात करें तो यह एक परंपरागत उपाधि है। जिसके जरिए संबंधित शीर्ष सैन्य अधिकारी को दूसरे देश की सेना पर किसी प्रकार का कोई नियंत्रण या नेतृत्व करने का कोई अधिकार नहीं मिलता है।

सेना के ये प्रमुख भी हो चुके सम्मानित

नेपाल ने बीते वक्त में भारत के सेवानिवृत्त हो चुके कई सेनाप्रमुखों को अपने मानद प्रमुख की रैंक प्रदान की है। जिसमें सेवानिवृत्त जनरल बिपिन रावत, जनरल मनोज मुकुंद नरावणे, जनरल मनोज पांडे, जनरल दलबीर सिंह सुहोग और जनरल बिक्रम सिंह शामिल हैं। सेना ने कहा कि यह सम्मान कोई औपचारिक सम्मान नहीं है। बल्कि यह दोनों सेनाओं के बीच आपसी विश्वास, पेशेवर सम्मान और सैन्य सौहार्द की संस्थागत अभिव्यक्ति है। इसके अलावा यह दोनों सेनाओं के विशिष्ट सैन्य संबंधों को बनाए रखने, साझा हितों से जुड़े क्षेत्रों में सहयोग को और अधिक मजबूत करने की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करता है।

यह है सीमा विवाद की जड़

बताते चलें कि भारत, नेपाल के बीच कुल करीब 1 हजार 751 किलोमीटर लंबी सीमा रेखा है। जो कि भारत के उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम-बंगाल और सिक्किम जैसे पांच राज्यों से होकर गुजरती है। इसी सीमा के एक हिस्से यानी लिपुलेख, कालापानी और लिपियाधुरा जैसे तीन इलाकों को लेकर दोनों के बीच बीते कुछ समय से

जब घुटना, कंधा या कमर दर्द सताए तो आयुर्वेदिक ट्रीटमेंट ही अपनाएं

‘डा. ऑर्थो’ आज ही ले आएं

घुटना दर्द

कंधा दर्द

कमर दर्द

कलाई दर्द

Dr. Ortho

Clinically Tested*
*For efficacy and safety.

अब दर्द भी घुटने टेकेगा...

8 गुणकारी आयुर्वेदिक तेलों से बना डा. ऑर्थो तेल जोड़ों के दर्द को जड़ से कम करने में विशेष सहायता करता है। मात्र 8-10ml तेल दिन में सिर्फ एक या दो बार हल्के हाथों से पीड़ित अंग पर मालिश करें।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। समापदक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। आरएआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109